कोटद्वार, रविवार
26 अप्रैल 2026
वर्ष: 49
अंक: 8 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

केसीआर की बेटी कविता ने बना ली अपनी नई पार्टी

● भाई से विवाद के बाद बनाई टीआरएस, लड़ेंगी चुनाव

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना जागृति संगठन की अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता ने शनिवार को तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) नामक नए राजनीतिक दल की शुरुआत की। बता दें कि केसीआर की पार्टी के नाम का शॉर्ट फॉर्म भी टीआरएस यानी तेलंगाना राष्ट्र समिति था। कुछ साल पहले इसे भारत राष्ट्र समिति कर दिया गया। कविता ने हैदराबाद के बाहरी इलाके में आयोजित एक कार्यक्रम में अपनी पार्टी के नाम की घोषणा की। सितंबर 2025 में कविता

को बीआरएस से तब निलंबित कर दिया गया था जब उन्होंने अपने चचेरे भाई एवं पार्टी नेता टी. हरीश राव तथा रिश्तेदार जे. संतोष कुमार पर बीआरएस के शासन के दौरान निर्मित कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना को लेकर अपने पिता और बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की छवि को खराब करने का आरोप लगाया था। निलंबन के बाद से वह तेलंगाना जागृति नामक अपने नेतृत्व वाले सांस्कृतिक संगठन के बैनर तले सार्वजनिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। उनके पिता के नेतृत्व वाली बीआरएस का मूल नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) था। हालांकि, 2022 में इसका नाम बदलकर बीआरएस कर दिया गया। के कविता बीआरएस की सरकार के दौरान लगातार निशाना साधती रही हैं।

मणिपुर में नागा-कुकी झड़पों में 3 की मौत

● दोनों पक्ष एक-दूसरे पर लगा रहे हमले के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार तड़के नागा और कुकी-जो समुदायों के सशस्त्र समूहों के बीच दो अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम पांच लोग घायल हुए। मरने वालों में एक तांगखुल नागा और दो कुकी-जो समुदाय के व्यक्ति शामिल हैं। दोनों समुदाय एक-दूसरे पर हमला शुरू करने का आरोप लगा रहे हैं। तांगखुल नागा लॉन्ग (टीएनएल) के अनुसार, 29 वर्षीय होर्शोकमी जमंग नामक नागा ग्राम

रक्षक को सशस्त्र कुकी उग्रवादियों ने घात लगाकर मार डाला। जमंग सिनाकेइथेई गांव के पास गश्त पर थे। इस घटना में चार अन्य नागा स्वयंसेवक भी गंभीर रूप से घायल हुए। सुरक्षा बलों ने दो कुकी-जो युवकों के शव बरामद किए। मृतकों की पहचान पाओमिनलुन हाओलाई (19 वर्ष) और लेटलाल सिटलहो (43 वर्ष) के रूप में हुई। कुकी संगठनों ने दावा किया कि तांगखुल नागा उग्रवादियों ने मुल्लम और शोंगफाल गांवों पर तड़के करीब 5:30 बजे हमला किया, जिसमें दो स्वयंसेवक मारे गए। कांगपोकपी जिले की बुंगी-इहान रक्षा समिति ने इसे कुकी गांवों पर हमला बताया। कुकी इनपी मणिपुर ने आरोप लगाया कि हमले में कई घर जलाए गए, महिलाएं और बच्चे समेत कई घायल हैं।

भागवत उवाच, भारत का विश्वगुरु बनना निश्चित है

● आरएसएस चीफ बोले-देश के भविष्य पर संदेह न करें ● कहा-राम मंदिर बनने को लेकर भी लोग शक करते थे

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि भारत निश्चित रूप से विश्वगुरु बनेगा और इस पर किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब लोग अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर संशय में रहते थे। इसे असंभव मानते थे।

लेकिन आज वह मंदिर सबके सामने साक्षात खड़ा है। ठीक उसी प्रकार, भारत का विश्वगुरु के रूप में पुनरुत्थान भी पूरी तरह निश्चित है और इस यात्रा को रोका नहीं जा सकता। भागवत ने यह बात नागपुर में नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट परिसर में बनने वाले भारत दुर्गा शक्ति स्थल मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में कही। इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज, स्वामी मित्रानंदजी महाराज, साध्वी ऋतंभरा और धीरेन्द्र शास्त्री सहित कई धार्मिक नेता भी मौजूद थे। संघ चीफ ने कहा- देश के भविष्य

को लेकर कोई संदेह न रखें और साहस व आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जिएं। उनके मुताबिक, अगर लोग अपने संकल्प के अनुसार कदम-दर-कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत और नैतिक रूप से सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि भारत के विश्वगुरु बनने का सपना निरंतर प्रयासों और सामूहिक अनुशासन के माध्यम से साकार होगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह का परिवर्तन वर्तमान पीढ़ी में देखा जा सकता है। उन्होंने कहा- भारत के भविष्य पर संदेह न करें। साहस और आत्मनिर्भरता के साथ जीएं और इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाएं। भारत मजबूत होगा और दुनिया का मार्गदर्शन करेगा। लोगों को संदेह था कि राम मंदिर बनेगा या नहीं, लेकिन यह बन गया। उसी प्रकार भारत का विश्वगुरु बनना निश्चित है।

पश्चिमी सोच को त्यागकर भारतीय परंपराओं से जुड़ें

आरएसएस प्रमुख ने नागरिकों से पश्चिमी सोच को त्यागने और विचार एवं व्यवहार में भारतीय परंपराओं से दोबार जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन दैनिक जीवन में छोटे, लेकिन सार्थक बदलावों से शुरू होगा, जैसे कि भाषा, पहनावा, खान-पान की आदतें और सांस्कृतिक प्रथाएं। भारत को जानना, स्वीकार करना और दैनिक जीवन में जीना जरूरी है। इस बात पर जोर देते हुए कि आत्म-साक्षात्कार की ऐसी प्रक्रिया के माध्यम से ही एक मजबूत और आत्मविश्वासी भारत की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है।

पश्चिमी चश्मे को उतार फेंकने की जरूरत

डॉक्टर भागवत ने कहा कि भारत को यदि वास्तव में समझना है, तो इसे इसकी अपनी सभ्यता और सनातन मूल्यों की दृष्टि से देखना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले 150 वर्षों में विकसित हुई पश्चिमी सोच से भारत को नहीं समझा जा सकता। नागरिकों को इस विदेशी विचारधारा की परतों को उतार फेंकना होगा। यदि हम अपने संकल्प के अनुसार कदम दर कदम आगे बढ़ें, तो भारत मजबूत, सदाचारी और वैश्विक मार्गदर्शक बनेगा। भागवत ने कहा कि भारत को सही मायने में समझने के लिए, लोगों को पहले भारत को गहराई से समझना होगा और फिर उसे अपने जीवन में उतारना होगा।

अल नीनो की दस्तक: बदलेगा मौसम का 'मूड'

● मई-जून से झुलसाएगी गर्मी, बारिश पर पड़ेगा सीधा असर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम के मिजाज में बड़ा बदलाव आने वाला है और इसके असर से भारत समेत पूरी दुनिया भीषण गर्मी से झुलस सकती है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने चेतावनी दी है कि अल नीनो इस बार तय समय से पहले, मई से जुलाई के बीच ही विकसित हो सकता है। इसका सीधा असर तापमान और बारिश के पैटर्न पर पड़ेगा। पहले जहां इसके अगस्त-सितंबर में आने की संभावना जताई जा रही थी, अब इसके जल्दी दस्तक देने के संकेत ने मौसम वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ा दी है।

मानसून पर खतरे की घंटी कम बारिश के आसार

अल नीनो की आहट के साथ ही भारत में मानसून को लेकर अनिश्चितता गहराने लगी है। भारतीय मौसम विभाग पहले ही सामान्य से कम बारिश का अनुमान जता चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर अल नीनो मजबूत हुआ, तो यह खेती, जल भंडारण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गहरा असर डाल सकता है। खासकर वर्षा-आधारित कृषि वाले इलाकों में सूखे जैसी स्थिति बन सकती है।

हर जगह पड़ेगी गर्मी की मार

ताजा रिपोर्ट साफ संकेत दे रही है कि मई-जून-जुलाई के दौरान दुनिया भर में जमीन का तापमान सामान्य से ज्यादा रहेगा। इसका मतलब है कि भारत में भी भीषण हीटवेव का खतरा बढ़ सकता है। इससे बिजली की मांग, पानी की खपत और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ेगा। शहरों में 'हीट आइलैंड' प्रभाव और ज्यादा तीखा हो सकता है। चिंता की एक और बड़ी वजह हिमालयी क्षेत्र में बर्फ का तेजी से घटता स्तर है। हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र में इस साल बर्फ की मौजूदगी सामान्य से 27.8त्न कम दर्ज की गई है, जो 20 साल में सबसे कम है। यह स्थिति नदियों के प्रवाह को प्रभावित कर सकती है और करीब दो अरब लोगों की जल सुरक्षा पर खतरा पैदा कर सकती है। भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्री सतह का तापमान तेजी से बढ़ रहा है, जो अल नीनो के विकसित होने का बड़ा संकेत माना जाता है। जलवायु मॉडल अब इस पर लगभग एकमत हैं कि आने वाले महीनों में अल नीनो की स्थिति और मजबूत होगी। यह बदलाव वैश्विक मौसम प्रणाली को प्रभावित करेगा।

केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब

– कपाट खुलने के बाद अब तक 1.10 लाख दर्शन

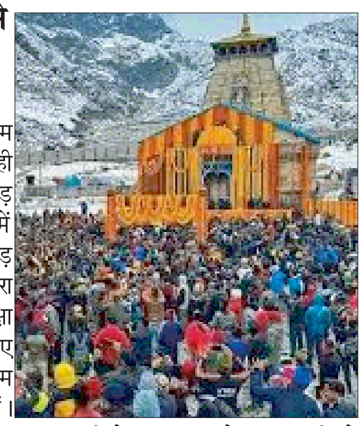

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है, जहां राज्य सरकार द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालु सुगम और सुरक्षित दर्शन कर सकें। केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने कहा कि केदारनाथ जी के कपाट खुले हुए तीसरा दिन है। साथ ही भगवान भैरवनाथ जी के कपाट भी खुल गए हैं। उन्होंने बताया अब तक करीब 1 लाख 10 हजार लोगों ने भगवान केदारनाथ के दर्शन कर लिए हैं। वर्तमान समय में केदारनाथ धाम में व्यवस्थाएं बिल्कुल ठीक हैं। प्रत्येक श्रद्धालु को दर्शन का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कुछ अराजक तत्व द्वारा धाम को बदनाम किया जाना बेहद निंदनीय है। केदार सभा के वरिष्ठ सदस्य उमेश चंद्र पोस्ती ने कहा कि बीकेटीसी एवं जिला प्रशासन के नेतृत्व में अब तक करीब 1 लाख 10 हजार लोगों ने बाबा केदार के दर्शन कर लिए हैं। उन्होंने कहा सोशल मीडिया के माध्यम से कई लोग असत्य और भ्रामक खबरें फैला रहे हैं। उन्होंने देश-विदेश के श्रद्धालुओं से निश्चिंत होकर केदारनाथ धाम आने का आग्रह किया। उन्होंने कहा मंदिर प्रशासन, जिला प्रशासन, सब मिलकर दिन रात व्यवस्थाओं में जुटा हुआ है। केदारनाथ में किसी तरह की अव्यवस्थाएं नहीं है। मंदिर में दर्शन के लिए यात्रियों के लिए टोकन व्यवस्था की गई है। जिससे जल्दी दर्शन हो रहे हैं।

टीएमसी सरकार से मुक्ति का समय आ गया है

● योगी बोले-4 मई के बाद बंगाल में टीएमसी के गुंडों को कहीं छुपने की जगह नहीं मिलने वाली है

लखनऊ/कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध किया। इस अधिनियम से पाकिस्तान और बांग्लादेश से परेशान होकर आए हिंदू, बौद्ध और जैनों को भारत की नागरिकता मिलेगी, लेकिन ममता दीदी को बुरा लगता है कि अगर हिंदू ज्यादा होंगे तो सड़क पर इफ्तारी कैसे होगी। यूपी में कोई सड़क पर इफ्तार पार्टी नहीं कर सकता, नमाज भी नहीं पढ़ सकता। मस्जिद से कोई आवाज भी नहीं आती। टीएमसी सरकार से मुक्ति का समय आ गया है। 4 मई को जब रिजल्ट आएगा तो टीएमसी के गुंडों को कहीं छुपने की जगह नहीं मिलने वाली है। सीएम योगी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में चुनावी रैली में ये बातें कहीं। उन्होंने नदिया जिले की नवद्वीप और पूर्व वर्धमान जिले की कटवा सीट पर चुनाव प्रचार किया। इसके बाद उत्तर 24 परगना जिले में जनसभा को संबोधित करेंगे।

'ममता को बंगाल में जय श्रीराम बोलने से परेशानी'- सीएम योगी ने कहा- बंगाल विभाजन के समय वंदे मातरम् हर बंगाली का

हथियार बना था, लेकिन ममता दीदी को इन सबसे चिढ़ है। बंगाल में जय श्रीराम बोलने से उन्हें परेशानी होती है। कोलकाता हाईकोर्ट को आदेश देना पड़ा था कि जो लोग दुर्गा पूजा में अव्यवस्था फैला रहे हैं, उन्हें रोका जाए। उन्होंने कहा- बंगाल में माफिया राज की प्रतीक बनी यह सरकार कुछ सुनने को तैयार नहीं है।

'यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा है, यूपी में सब चंगा है'

सीएम ने कहा- कभी भारत की अर्थव्यवस्था में बंगाल का सबसे ज्यादा योगदान था। बेटियां और बहनें सुरक्षित हुआ करती थीं, लेकिन अब गुंडा टैक्स वसूला जा रहा है। कैटल माफिया, सैंड माफिया और लैंड माफिया बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा- 2017 तक यूपी में भी यही स्थिति थी। व्यापारी पलायन कर रहे थे, लव जिहाद और लैंड जिहाद की घटनाएं बढ़ती जा रही थीं। जय श्रीराम बोलने पर लाठी और गोली चलती थी। आज यूपी में डबल इंजन सरकार है। आज यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा है, यूपी में सब चंगा है।

बंगाल के सामने पहचान का संकट

योगी ने कहा- जिस बंगाल ने भारत को पहचान दी, आज उसी के सामने पहचान का संकट है। टीएमसी की सरकार 15 सालों में माफिया राज, आतंक और भ्रष्टाचार का प्रतीक बन चुकी है। उसके गुंडे सरेआम घूम रहे हैं। सीएम ने कहा कि दो दिन पहले पहले चरण की वोटिंग में लोगों ने रिकॉर्ड मतदान किया। 4 मई को जब नतीजे आएंगे, तब चारों ओर भगवा झंडा लहराता दिखेगा।

रिफाइनरी में आग, 'साइबर अटैक' की आशंका

● ऑटोमेटिक कंट्रोल यूनिट्स हाईजैक तो नहीं हुए होगी जांच ● आसपास रहने वालों का पुलिस ने शुरू किया वेरिफिकेशन

बाड़मेर (एजेंसी)। देश की सबसे आधुनिक और हाईटेक बालोतरा की पचपदरा रिफाइनरी में 20 अप्रैल को लगी आग के बाद सुरक्षा एजेंसियां ऐक्टिव हैं। इस हादसे को 'साइबर अटैक' से भी जोड़कर देखा जा रहा है। जांच एजेंसियां इस एंगल पर भी जांच को आगे बढ़ा रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि हादसे के वक्त रिफाइनरी के ऑटोमेटिक कंट्रोल यूनिट्स को बाहर से 'हाईजैक' कर लिया गया होगा। सुरक्षा एजेंसियां अब रिफाइनरी के डिजिटल लॉग्स और डेटा को खंगाल रही हैं। एक्सपर्ट्स यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या किसी बाहरी आईपी एड्रेस ने सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश तो नहीं की थी। उधर, आसपास के इलाके में पुलिस वेरिफिकेशन भी किया जा रहा है।

पास वाली दुकानें हट सकती हैं, सुरक्षा घेरा बढ़ा

हादसे के बाद सुरक्षा एजेंसियां और बालोतरा पुलिस पूरी तरह ऐक्टिव मोड में है। सूत्रों के मुताबिक, रिफाइनरी के 1 किलोमीटर के दायरे में आने वाली दुकानों और कमर्शियल संस्थानों को सुरक्षा कारणों से हटाया जा सकता है। दावा है कि यहां दिनभर भीड़ रहती है, जो सुरक्षा के लिहाज से बड़ा खतरा है। इलाके में रहने वाले सभी किराएदारों और मजदूरों का पुलिस वेरिफिकेशन शुरू कर दिया गया है। बिना अनुमति किसी भी बाहरी व्यक्ति का रिफाइनरी परिसर में प्रवेश पूरी रोक दिया गया है।

प्रधानमंत्री का दौरा स्थगित हुआ था

बाड़मेर के नजदीक बालोतरा में हिंदुस्तान पेट्रोलियम लिमिटेड की रिफाइनरी में 20 अप्रैल की दोपहर 2 बजे भीषण आग लग गई थी। आग रिफाइनरी में कच्चे तेल को साफ करने वाली दो यूनिट में लगी थी। यूनिट से धुआं उठने पर कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी सिस्टम चालू किया था। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने 2 से 3 घंटे में आग पर काबू पाया था। इस दौरान यूनिट से लपटें उठती रहीं। करीब 79 हजार 459 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस रिफाइनरी का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 अप्रैल को उद्घाटन करने वाले थे। इस घटना के बाद उनका दौरा स्थगित हो गया था।

पीएम की सभा के लिए बने डोम को एजेंसियों ने घेरे में लिया

रिफाइनरी में आग पीएम नरेंद्र मोदी के दौरे से ठीक 20 घंटे पहले लगी थी। पीएम 21 अप्रैल को इसका उद्घाटन करने वाले थे। सभा के लिए बनाए गए 3 विशाल डोम को हटाने का काम सुरक्षा एजेंसियों ने रुकवा दिया है। माना जा रहा है कि एजेंसियां इन डोम के आसपास से फॉरेंसिक सबूत जुटाना चाहती हैं ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आग तकनीकी खामी थी या कोई सोची-समझी साजिश। जिस क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में आग लगी, उसका निर्माण कार्य टाटा प्रोजेक्ट्स के पास है। फिलहाल शुरुआती अनुमान तकनीकी खराबी या लीकेज का है, लेकिन एजेंसियां अब कॉन्ट्रैक्टर कंपनियों, साइट इंजीनियरों और प्रबंधन से पूछताछ कर रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 21 अप्रैल को मुख्य सचिव बी. श्रीनिवास के साथ रिफाइनरी का दौरा कर अधिकारियों से हादसे की पूरी जानकारी ली थी।

मुंबई-अहमदाबाद की तर्ज पर सूरत में चलेगी डबल डेकर

● वडोदरा में 100 फीसदी इलेक्ट्रिक बसों की डिलीवरी शुरू

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात की डायमंड सिटी सूरत में मुंबई और अहमदाबाद की तर्ज पर डबल डेकर बस चलेगी। शहर में ट्रायल रन डबल डेकर पहुंच भी गई है, लेकिन राज्य में स्थानीय

निकाय चुनावों की आचार संहिता के चलते लोगों को इस बस के सफर के लिए इंतजार करना पड़ेगा। कुछ ऐसी ही स्थिति वडोदरा की है। वडोदरा में नगर निगम ने पीएम ई-बस सेवा के तहत 250 बसें चलाने का लक्ष्य रखा है। पहले फेज की 40 बसों की बसों की डिलीवरी शुरू हो गई है, पहली सात शहर पहुंच गई हैं, लेकिन ये बसें अभी पूजा करने के बाद डिपो में खड़ी कर दी गई हैं। 100 फीसदी इलेक्ट्रिक बसों का संचालन स्थानीय निकाय चुनावों की प्रक्रिया पूरी होने और शहर में मेयर की नियुक्ति होने के बाद होने की उम्मीद की जा रही है। वडोदरा नगर निगम के कमिश्नर अरुण महेश बाबू के अनुसार बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू है, लेकिन इन बसों के रूट और टिकटिंग को लेकर निगम का कर रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होने और पीएमओ से समय मिलते ही इन बसों का शुभारंभ हो जाएगा।

उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित, बालिकाओं ने मारी बाजी

इंटरमीडिएट में 85.11, हाईस्कूल में 92.10 फीसदी रहा परीक्षा परिणाम

देहरादून : उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद द्वारा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया है। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शनिवार को रामनगर स्थित विद्यालयी शिक्षा परिषद के सभागार में बोर्ड परीक्षओं के परिणाम जारी किये। इस वर्ष इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल परिणाम 85.11 फीसदी, जबकि हाईस्कूल में 92.10 फीसदी रहा है। इस अवसर पर विभागीय मंत्री डॉ. रावत ने मेधावी छात्रों व उनके अभिभावकों से फोन पर बात कर उन्हें बधाई व शुभकानाएं दी।

सूबे के शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बोर्ड परीक्षा परिणाम सफलतापूर्व घोषित किये जाने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने इसके लिये परिषद के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी लोगों के अथक परिश्रम और समर्पण से परीक्षा

परिणाम समय पर घोषित किया गया। डॉ. रावत ने बताया कि इस वर्ष इंटरमीडिएट में कुल परीक्षा परिणाम 85.11 फीसदी रहा। जिसमें बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 81.93 जबकि बालिकाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 88.09 रहा है। उन्होंने बताया कि इंटरमीडिएट में कुल 102986 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 100452 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हुये, जबकि 85499 उत्तीर्ण हुये। विगत वर्ष 2025 की तुलना में इस वर्ष इंटरमीडिएट का परीक्षा परिणाम 1.88 फीसदी अधिक रहा है। इसी प्रकार इस वर्ष हाईस्कूल का कुल परीक्षा परिणाम 92.10 फीसदी रहा। जिसमें 88.03 फीसदी बालकों, जबकि 96.07 फसदी बालिकाओं ने बाजी मारी। डॉ. रावत ने बताया कि हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा के लिये 112266 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें से 108983 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये जबकि 100373 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुये। हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम विगत वर्ष 2025 की तुलना में 1.33 प्रतिशत अधिक रहा है। जो बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी, शिक्षकों व छात्र-छात्राओं की मेहनत को प्रदर्शित करता है। डा. रावत ने इस अवसर पर परिषदीय परीक्षा की प्रवीणता सूची में स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों के साथ फोन पर बातचीत की उन्हें शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक रामनगर दिवान सिंह बिष्ट, सभापति विद्यालयी शिक्षा परिषद व निदेशक माध्यमिक शिक्षा डॉ. मुकुल कुमार सती, सचिव विद्यालयी शिक्षा परिषद विनोद कुमार सेमल्टी सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। (एजेंसी)

इंटरमीडिएट में गीतिका, सुशीला और हाईस्कूल में अक्षत ने मारी बाजी

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की 12वीं बोर्ड परीक्षा की संयुक्त श्रेष्ठता सूची में सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज बागेश्वर की गीतिका पंत व भंजूराम अमर इंटर कॉलेज ऊधमसिंह की सुशीला मेंहदीरत्ता ने 98 फीसदी अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज आवास विकास ऋषिकेश के आर्यन ने 97.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि सरस्वती विद्या मंदिर मायापुर हरिद्वार की वंशिका ने 97 फीसदी अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा की श्रेष्ठता सूची में एम.पी. हिन्दू इंटर कॉलेज रामनगर नैनीताल के अक्षत गोपाल ने 98.20 फीसदी अंक हासिल कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार एस.वी.एम. इंटर कॉलेज चिन्यालीसौड, उत्तरकाशी के इशांत कोठारी तथा जी.बी. पंत राजकीय इंटर कॉलेज खैरना, नैनीताल की भूमिका ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप दूसरा स्थान प्राप्त किया। जबकि विवेकानंद वी.एम. इंटर कॉलेज मण्डलसेरा बागेश्वर के योगेश जोशी ने 97.80 फीसदी अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं में बागेश्वर जनपद का प्रदर्शन शानदार रहा है। बागेश्वर जनपद ने इंटरमीडिएट में कुल 94.84 फीसदी व हाइस्कूल में 96.98 फीसदी परीक्षाफल के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया।

परीक्षाफल सुधार परीक्षा के परिणाम घोषित

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद ने 10वीं व 12 वीं के परीक्षाफल सुधार परीक्षा-2025 के द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणाम भी घोषित किये। जिसमें हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा का परीक्षाफल 68.67 रहा है। 10वीं बोर्ड परीक्षा में 382 परीक्षार्थियों ने पंजीकरण किया था जिसमें से 239 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुई। इसी प्रकार इंटरमीडिएट परीक्षाफल सुधार परीक्षा (द्वितीय) वर्ष-2025 का परीक्षाफल 66.27 फीसदी रहा। उक्त परीक्षा में कुल 464 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें 279 उत्तीर्ण हुये।

शिक्षा मंत्री पहुंचे हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा के टॉपर अक्षत के घर

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने के उपरांत शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा के टॉपर अक्षत गोपल के घर पहुंचे, और उन्हें इस शानदार उपलब्धि पर बधाई व शुभकानाएं दी।, साथ ही डॉ. रावत ने अक्षत को अपने हाथों से मिठाई भी खिलाई। उन्होंने अक्षत के माता-पिता से भी मुलाकात कर उनके योगदान की सराहना की और परिवार को इस उपलब्धि के लिये बधाई दी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि अक्षत की मेहनत, लगन और अनुशासन सभी विद्यार्थियों के लिये प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि निरंतर परिश्रम, सकारात्मक सोच और लक्ष्य के प्रति समर्पण से किसी भी ऊंचाई को प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक दिवान सिंह बिष्ट ने भी अक्षत की सफलता पर खुशी व्यक्त की।

संक्षिप्त समाचार

गणना कार्य के लिए शिक्षकों को कार्यमुक्त करे विभाग

नई टिहरी। उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन ने जनगणना के प्रथम चरण मकान सूचीकरण और भवन गणना में नियुक्त शिक्षकों को कार्यमुक्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को स्कूल समय के बाद गणन कार्य संपादित करने के निर्देश दिए गए हैं जबकि यह कार्य स्कूल समय के बाद करना संभव नहीं हो पाएगा। जनगणना के प्रथम चरण मकान सूचीकरण और भवन गणना में नियुक्त शिक्षकों ने विभागीय अधिकारियों के प्रति खासी नाराजगी जताई है। टीचर्स एसोसिएशन ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि गणना कार्य में नियुक्त शिक्षकों को विभागाध्यक्ष कार्यमुक्त नहीं कर रहे हैं। शिक्षकों को स्कूल के समयोपरांत गणना कार्य संपादित करने को कहा जा रहा है जबकि गणना कार्य 25 अप्रैल से 24 मई 2026 तक सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक संपादित किया जाना है। इस स्थिति में उन्हें गणना कार्य के लिए कार्यमुक्त नहीं किया जाता है तो स्कूल समय के बाद गणना कार्य करने पर कार्य समय से संपादित होना संभव नहीं है। जबकि कई शिक्षकों को गणना कार्य स्कूल से दूर के गांव आवंटित किए गए हैं। एसोसिएशन ने बताया कि कई स्कूलों से दोनों शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। दोनों शिक्षक गणना कार्य में जाते हैं तो स्कूल बंद करना पड़ेगा। टीचर्स एसोसिएशन ने डीएम को समस्याओं से अवगत कराते हुए गणना कार्य में नियुक्त शिक्षकों को स्कूलों से कार्यमुक्त करने और दो शिक्षकों में से एक शिक्षक की ही ड्यूटी लगाने की मांग की है। ज्ञापन पर एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र खाती, मंत्री मंगत नेगी, उपाध्यक्ष दीपिका आर्य,मुकेश चमोली, जीपी भट्ट, विजय कुमार, इंदिरा देवी, सतीश थपलियाल के हस्ताक्षर हैं।

शादी का झांसा देकर रानीपुर में दुष्कर्म

हरिद्वार। एक युवती ने युवक पर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने और बाद में शादी से मुकरने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़िता ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि वह पिछले एक वर्ष से शिवम नाम के युवक के संपर्क में थी। आरोप है कि उसने शादी का वादा कर उसके साथ संबंध बनाए और बाद में शादी से इनकार कर दिया। 23 अप्रैल को जब आरोपी के घर पहुंची तो वह और साथियों ने अभद्रता कर मारपीट की। घटना के बाद पारिवारिक विवाद बढ़ने पर युवती को उसके माता–पिता ने भी घर से निकाल दिया। कोतवाली प्रभारी मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

उत्तराखंड बोर्ड रिजल्ट में टिहरी विद्यामंदिर के छात्र छात्राओं का दबदबा

नई टिहरी। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ। भिलंगना ब्लॉक के 4 छात्र–छात्राओं ने प्रदेश की टॉप–25 सूची में जगह बनाई। अजय भट्ट सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, श्रीकोट चमियाला के छात्र अश्विन तिवाड़ी ने 475 अंक हासिल किए। उन्होंने प्रदेश में 13वीं रैंक, जनपद में दूसरा और ब्लॉक में पहला स्थान प्राप्त किया। राजकीय हाईस्कूल धमातोली की छात्रा कोमल रावत ने 471 अंक प्राप्त किए। उन्होंने 94.20 प्रतिशत के साथ प्रदेश में 17वीं रैंक हासिल की। कोमल, गजराज सिंह की पुत्री हैं। सृष्टि बेलवाल ने 470 अंक हासिल किए। उन्होंने 94 प्रतिशत के साथ प्रदेश में 18वीं रैंक प्राप्त की। सृष्टि, राजेंद्र प्रसाद की पुत्री हैं। उसी विद्यालय के छात्र वरुण चौहान ने 465 अंक हासिल किए। उन्होंने 93 प्रतिशत के साथ प्रदेश में 23वीं रैंक पाई। वरुण, डॉ. राजीव चौहान के पुत्र हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य कैलाश भट्ट ने बताया कि हाईस्कूल और इंटर दोनों का परिणाम 95.38 प्रतिशत रहा। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया जाता है। अश्विन तिवाड़ी ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों को दिया। उन्होंने कहा कि वे आगे इंजीनियर बनना चाहते हैं। अश्विन के पिता का तीन वर्ष पहले निधन हो गया था। उनकी मां शीला तिवाड़ी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हैं। कोमल रावत ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों और अभिभावकों को दिया। उन्होंने कहा कि सभी ने उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। कोमल के पिता होटल में काम करते हैं। उनकी मां रजनी देवी गृहणी हैं। सृष्टि बेलवाल ने अपनी उपलब्ध्धि का श्रेय माता–पिता और शिक्षकों को दिया। उन्होंने बताया कि वह आगे शिक्षिका बनना चाहती हैं। उनके पिता पूजा–पाठ का कार्य करते हैं। मां सरिता बेलवाल गृहणी हैं। वरुण चौहान ने कहा कि विद्यालय में सभी छात्रों को समान शिक्षा दी जाती है।

घर में घुसकर मां–बेटे के साथ मारपीट

हरिद्वार। घर में घुसकर मां–बेटे पर हमला करने का मामला सामने आया है। रानीपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जमालपुर खुर्द आरके पुरम कॉलोनी निवासी दिलशाद ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि उसका बेटा मोहम्मद कैफ बहादराबाद स्थित एक सैलून पर काम करता है। 23 अप्रैल को दोपहर जब घर आ रहा था, तभी बाइक सवार युवक उसका पीछा करते हुए घर तक पहुंच गए। आरोप है कि सद्दाम, शौकीन, मतीन, मोहिन और मुकीम निवासी जमालपुर खुर्द समेत अन्य आरोपियों ने घर में घुसकर बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच–बचाव करने आई उसकी पत्नी नौशिदा के साथ भी मारपीट की गई। आरोप है कि लोहे के सरिये से वार कर दिलशाद के सिर पर गंभीर चोट पहुंचाई गई। आरोपी जाते समय पुराने मुकदमे को वापस न लेने पर जान से मारने की धमकी दी। कोतवाली प्रभारी मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि सात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

महाराज ने किया ऋषिकेश स्थित ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण

पुलिस कंट्रोल रूम में वायरलेस सेट न होने पर जताई नाराजगी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने चारधाम यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के पंजीकरण हेतु ऋषिकेश स्थित ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से अनुरोध करते हुए कहा कि उत्तराखंड देवी-देवताओं की पवित्र भूमि है। इसलिए इस बात का प्राथमिकता से ध्यान रखें कि यात्रा के दौरान कहीं भी प्लास्टिक, कचरा और शोर-शराबा न हो। धामों को साफ-सुथरा रखना ही सबसे बड़ी पूजा है। सेवा कार्य में लगे अधिकारियों, कर्मचारियों, जिला प्रशासन से उन्होंने कहा है कि यात्री हमारे अतिथि हैं इसलिए उनके साथ हमेशा मधुर व्यवहार रखें। प्रदेश के पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने शनिवार को अचानक चारधाम यात्रियों के पंजीकरण के लिए बने

ऋषिकेश बस टर्मिनल के समीप स्थित सबसे बड़े ट्रांजिट कैंप और जांच केंद्र पहुंच कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम में वायरलेस सेट न होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए एसएसपी प्रमेंद्र डोभाल से दूरभाष पर बात कर उन्हें तत्काल वायरलेस सेट मशीन लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां स्थित यात्री विश्राम कैम्पों में जाकर यात्रियों से भी बातचीत की। सभी यात्री सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं से संतुष्ट नजर आये। श्री महाराज ने कहा कि जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी वैसे-वैसे यात्रियों की संख्या में भारी इजाफा होगा, इसलिए हमें अभी से तैयार रहने की आवश्यकता है। कहा कि ट्रांजिट कैंप में सभी व्यवस्थाएं चाक चौबंद हैं। यात्रियों का ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन और स्वास्थ्य जांच लगातार चल रही है। ट्रांजिट कैंप में यात्रियों के खानपान, आराम और स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यात्री तापमान का ध्यान रखें। जल्दबाजी में सीधे धाम न पहुंचें। हरिद्वार, ऋषिकेश, देवप्रयाग, जोशीमठ आदि स्थानों पर 1 दिन अवश्य रुकें। शरीर को ऊंचाई का आदी होने दें। कहा कि यात्री बिना पंजीकरण के यात्रा ना करें। क्यूआर कोड पास और आधार कार्ड अपने साथ रखें, स्वास्थ्य जांच कराएं। मंत्री ने कहा कि चारधाम यात्रा हम सबकी साझी जिम्मेदारी है। श्रद्धालु नियम मानें, कर्मचारी सेवा करें, व्यापारी ईमानदारी बरतें तभी चारधाम यात्रा सफल होगी।

चारधाम यात्रा में अव्यवस्थाओं पर कांग्रेस का हमला

हरिद्वार। चारधाम यात्रा की शुरुआत के साथ ही व्यवस्थाओं को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस ने यात्रा प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए सरकार के दावों को खोखला बताया। पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने कहा कि यात्रा शुरू होते ही अव्यवस्थाएं सामने आने लगी हैं। उन्होंने यमुनोत्री में दो महिलाओं और केदारनाथ में एक बुजुर्ग की मौत का जिक्र करते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय बताया। उनके अनुसार ये घटनाएं व्यवस्थाओं की विफलता को दर्शाती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यात्रा मार्गों पर स्वास्थ्य सुविधाएं पर्याप्त नहीं हैं। विशेष रूप से बद्रीनाथ धाम में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को बड़ी लापरवाही बताया। उन्होंने कहा कि लाखों श्रद्धालुओं की आवाजाही के बावजूद स्वास्थ्य ढांचा मजबूत नहीं किया गया है। वीआईपी दर्शन

व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आम श्रद्धालु घंटों कतार में खड़े रहते हैं, जबकि वीआईपी को प्राथमिकता दी जा रही है, जो आस्था के साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा राज्य की पहचान है, लेकिन सरकार जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं सुधारने में नाकाम रही है। पिछले वर्ष की घटनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने कोई सबक नहीं लिया।

अटकफार्म क्षेत्र में गुलदार की दहशत

देहरादून। अटकफार्म क्षेत्र में लगातार गुलदार दिखने की घटनाओं से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त तेज कर दी है और पिंजरों की व्यवस्था की गई है। जगह–जगह कैमरा टैब लगाकर गुलदार को ट्रैप करने की कोशिश की जा रही है।

वन विभाग ने सामाजिक कार्यकर्ताओं और ग्राम प्रधानों के सहयोग से व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से जागरूकता अभियान भी शुरू किया है। ग्रामीणों को सख्त हिदायत दी गई है कि वे जंगल की ओर न जाएं और सतर्क रहें। वन बीट अधिकारी अजय पवार ने बताया कि लगातार गश्त कर गुलदार की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में

पिंजरा भी लगाया गया है ताकि गुलदार को सुरक्षित तरीके से पकड़ा जा सके।

झाझरा रेंज के वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि उच्च अधिकारी इस समस्या को लेकर गंभीर हैं और गुलदार को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जैसे ही किसी स्थान पर गुलदार दिखने की सूचना मिलती है,

उत्तराखण्ड में शहद उत्पादन को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं

सीएम आवास परिसर में हुआ 45 दिनों में 520 किलो शहद का उत्पादन

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास परिसर में शहद निकालने की प्रक्रिया का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री आवास परिसर में इस वर्ष मात्र 45 दिनों की अवधि में 520 किलोग्राम शहद का उत्पादन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में शहद उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं, विशेषकर पर्वतीय और वन क्षेत्रों में। उन्होंने निर्देश दिए कि वन क्षेत्रों में बी-बॉक्स की स्थापना के लिए एक प्रभावी नीति तैयार की जाए, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत मधुमक्खी पालन को प्राथमिकता दी जाएगी और इससे जुड़े किसानों एवं उद्यमियों को विशेष सब्सिडी प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में मौन पालन को और अधिक प्रोत्साहित किया जाएगा तथा इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने के लिए तेजी से कार्य किया जाएगा। उन्होंने इसे स्वरोजगार का एक सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि इससे स्थानीय स्तर पर आय में वृद्धि के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उद्यान प्रभारी दीपक पुरोहित को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री आवास परिसर में वर्षभर शहद उत्पादन के लिए उपयुक्त पुष्पीय एवं परागयुक्त पौधों का रोपण किया जाए। साथ ही ह्लथ्री-बीह्व (बर्ड फ्रेंडली, बी फ्रेंडली, बटरफ्लाई फ्रेंडली) गार्डन के निर्माण की दिशा में कार्य प्रारंभ किया जाए। मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस और हरेला पर्व जैसे अवसरों पर ह्लथ्री-बीह्व आधारित पौधारोपण अभियान चलाने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहलें न केवल पर्यावरण संरक्षण में सहायक होंगी, बल्कि मधुमक्खी पालन और शहद उत्पादन को भी स्थायी रूप से बढ़ावा देंगी, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिलेगी।

हाईस्कूल में लविश और इंटर में वंशिका जिला टॉपर

हरिद्वार। उत्तराखंड बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में जिले के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। इंटर में वंशिका ने जिला टॉप कर प्रदेश में तीसरा स्थान हासिल किया है तो हाईस्कूल में लविश ने अव्वल रहकर जिले का मान बढ़ाया है। दोनों कक्षाओं में कई छात्रों ने भी परीक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन कर हरिद्वार को गौरवान्वित किया है। इंटरमीडिएट में जिला टॉप करने वाली वंशिका सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मायापुर की छात्रा हैं। उन्होंने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है, जो प्रदेश की मेरिट में तीसरा स्थान है।

वहीं, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज सेक्टर–2 की छात्रा कशिश शर्मा ने 96.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में दूसरा और प्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया है। चौधरी बालचंद सिंह सैनी इंटर कॉलेज ढण्ढेडी की छात्रा तनिषा ने भी 96.60% अंक प्राप्त कर जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। शहिदे आजम इंटर कॉलेज इमलीखेड़ा के छात्रा मिसबा ने 96% अंक प्राप्त कर जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वहीं, हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा में सिटि पब्लिक स्कूल इंटर कॉलेज रुड़की के लविश ने जिला टॉप किया है। लविश ने हाईस्कूल में 96.80 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मायापुर के छात्र अरुण शर्मा ने जिले में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। अरुण शर्मा ने 95.60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

ओडाडा में एक मई से शराब पीना–पिलाना प्रतिबंधित

नई टिहरी। राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस पर ग्राम पंचायत ओडाडा भी शराबबंदी की मुहिम में शामिल हो गया। ग्राम पंचायत की खुली बैठक में सर्वसम्मति से नशामुक्त ओडाडा का प्रस्ताव पारित किया गया। आगामी एक मई से पूरे पंचायत क्षेत्र के शादी–समारोह, सार्वजनिक भोज और स्थानीय त्योहारों में मेहमानों को शराब परोसना और पीना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर 25 हजार का जुर्माना लगाया जाएगा। ग्राम पंचायत ओडाडा की प्रधान बबली रावत की अध्यक्षता में बैठक हुई। गांव से बाहर रहने वाले लोग ऑनलाइन बैठक में जुड़े। ग्रामीणों ने एक स्वर में शराबबंदी करने का प्रस्ताव पारित किया। एक मई से पूरे पंचायत क्षेत्र के शादी–समारोह, सार्वजनिक भोज और स्थानीय त्योहारों में शराब परोसना और पीना प्रतिबंधित होगा। नियमों का उल्लंघन करने की निगरानी के लिए अनुशासन समिति का गठन किया गया।

लॉ कॉलेज देहरादून की युवा संसद में राजनीतिक अपराधीकरण पर बहस

देहरादून। लॉ कॉलेज देहरादून की सातवीं मॉडल युनाइटेड नेशन कॉफ्रेंस व यूथ पार्लियामेंट में दूसरे दिन शनिवार को युवा संसद में गठित लोक सभा में संविधान के 130वें संशोधन का मुद्दा छाया रहा। कार्यक्रम में महाराष्ट्र व गोवा के पूर्व गवर्नर व पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने बतौर मुख्यअतिथि युवा सांसदों को संबोधित किया। सरकार के मंत्रियों का किरदार निभा रहे युवा सांसदों का कहना था कि इस संशोधन का उद्देश्य है कि राजनीति में अपराधीकरण पर लगाम लगे और जन विश्वास बहाल हो ताकि कोई भी नेता जेल से सरकार न चला सके। उन्होंने तर्क दिया कि आपराधिक पृष्ठभूमि के राजनेताओं पर अंकुश लगाना उनकी प्राथमिकता है। जबकि विपक्ष ने इसका पूरजोर विरोध किया। उनका कहना था कि यह सरकार की सोची समझी चाल है। सरकार संविधान में संशोधन कर विपक्ष के मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने की साजिश रच रही है। इसके अलावा अखिल भारतीय राजनीतिक दलों की बैठक में विकसित भारत 20247 व स्किल इंडिया 2.0 जबकि संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में खाड़ी युद्ध के बादल छाए रहे।

आईआईटी रुड़की में "विजन 2047 – समृद्ध एवं महान भारत 2.0" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

देहरादून। आईआईटी रुड़की ने स्वदेशी शोध संस्थान के सहयोग से अपने दीक्षांत समारोह हॉल में "विजन 2047: समृद्ध एवं महान भारत 2.0" पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया, जिसमें प्रख्यात शिक्षाविदों, नीति–निर्माताओं और उद्योग जगत के नेताओं ने भारत के विकासात्मक रोडमैप पर विचार–विमर्श किया।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत मंच पर उपस्थित विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों के औपचारिक स्वागत के साथ हुई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल काविंदर गुप्ता जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंच पर उपस्थित अन्य विशिष्ट अतिथियों में प्रो. के. के. पंत, निदेशक, आईआईटी रुड़की; प्रो. यू. पी. सिंह, उप–निदेशक,

आईआईटी रुड़की; प्रो. एन. पी. पाध्य, निदेशक, एमएनआईटी जयपुर; प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कार्यकारी अध्यक्ष, स्वदेशी शोध संस्थान; प्रो. अजीत चतुर्वेदी, कुलपति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय; तथा प्रो. सुरेखा डंगवाल, कुलपति, दून विश्वविद्यालय शामिल रहे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान, कुलगीत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके पश्चात अतिथियों का सम्मान किया गया। अपने स्वागत भाषण में प्रो. के. के. पंत ने वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण में शिक्षा, शासन और उद्योग के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने उद्योग के सहयोग से गुणवत्तापूर्ण उत्पाद–आधारित अनुसंधान को बढ़ावा देने और उद्यमिता नवाचार को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विषय–परिचय प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय विकास, नवाचार और नीतिगत सुधारों पर चर्चा की दिशा निर्धारित की। उद्घाटन सत्र का एक प्रमुख आकर्षण राष्ट्रीय रोजगार नीति का परिचय और शुभारंभ रहा, जो रोजगार सृजन और आर्थिक सुदृढ़ता की दिशा में एक दूरदर्शी पहल को दर्शाता है। कार्यक्रम में कई प्रभावशाली संबोधन शामिल रहे, जिनमें विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का वर्चुअल संबोधन तथा स्वदेशी जागरण मंच के सतीश कुमार जी का मुख्य भाषण शामिल था।

भारत एक्सप्रेस न्यूज़ नेटवर्क के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक उपेंद्र राय तथा प्रो. अजीत चतुर्वेदी ने भी राष्ट्र निर्माण और उच्च शिक्षा पर अपने विचार साझा किए। के. एन. रघुनंदन जी ने राष्ट्रीय विकास में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डाला, इसके पश्चात स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा का वर्चुअल संबोधन हुआ।

एक नजर

पौड़ी जिले में शशांक 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर मारी बाजी

श्रीनगर गढ़वाल : सरस्वती विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीनगर के शशांक पुरोहित ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा–2026 में 97.2 प्रतिशत अंक हासिल कर राज्य में चौथा स्थान और पौड़ी जिले में पहला स्थान प्राप्त किया है। शशांक ने 500 में से 486 अंक हासिल किए। प्रधानाचार्य मुकेश चंद्र मैठाणी ने बताया कि इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम 98 प्रतिशत रहा। विद्यालय के 6 छात्रों ने विशेष योग्यता (ऑनर) प्राप्त की जबकि 24 छात्रों ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। शशांक मूल रूप से नंदप्रयाग सिमली के रहने वाले हैं। शशांक पुरोहित के पिता राजेंद्र पुरोहित सरस्वती विद्या मंदिर श्रीनगर में शिक्षक तथा माता विमला पुरोहित आर्श पब्लिक स्कूल डांग श्रीनगर में शिक्षिका हैं। (एजेंसी)

हैप्पी और अभय इंजीनियर बनना चाहते है

श्रीनगर गढ़वाल : सरस्वती विद्या मंदिर श्रीनगर के छात्र व हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची में चौथा स्थान प्राप्त करने वाले शशांक भविष्य में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में कॅरिअर बनाकर देश सेवा करना चाहते हैं। शशांक प्रतिदिन नियमित तौर पर पांच से छः घंटे स्वाध्याय करते हैं। वह अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को देते हैं। हाईस्कूल की मेरिट में 24वां स्थान हासिल करने वाले हैप्पी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज श्रीकोट गंगानाली के छात्र हैं। उनके पिता पंकज कुमार दिल्ली में नौकरी करते हैं, जबकि माता मंजू देवी गृहिणी हैं। वह मूल रूप से जाखणीधार ब्लॉक के दनोली खंडोगी के निवासी हैं। हैप्पी इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भविष्य बनाना चाहते हैं। इंटर बोर्ड परीक्षा की मेरिट सूची में 16वें स्थान पर रहे अभय के पिता विजय प्रकाश शाह राजकीय प्राथमिक विद्यालय चौंखाल में शिक्षक हैं, जबकि माता गुड्डी देवी गृहिणी हैं। अभय इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जाना चाहते हैं। इंटर में मेरिट सूची में 20वी रैंक पर रहे आयुष शाह के पिता संजय शाह एलआईसी श्रीनगर में कार्यरत हैं, जबकि माता पुष्पा देवी गृहिणी हैं। आयुष विज्ञान के क्षेत्र में भविष्य बनाना चाहते हैं। आयुष शाह पूर्व में हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में 99 प्रतिशत अंक के साथ प्रदेश में तीसरे स्थान पर रहे थे। (एजेंसी)

श्रीकोट गंगानाली के तीन छात्र मेरिट सूची में

श्रीनगर : सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज श्रीकोट के तीन विद्यार्थियों ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मेरिट सूची में स्थान हासिल किया। हाईस्कूल में हैप्पी मेहरा ने 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में 24वां स्थान हासिल किया। हैप्पी छात्रावास में रहकर पढ़ाई करता है। इंटरमीडिएट में अभय शाह ने 94.2 प्रतिशत अंक के साथ प्रदेश में 16वां जबकि आयुष शाह ने 93.6 प्रतिशत अंक हासिल कर 20वां स्थान पाया। अभय और आयुष कीर्तिनगर ब्लॉक के कोठार गांव के एक ही परिवार से हैं और चाचा-ताऊ के बेटे हैं। प्रधानाचार्य भीमराज बिष्ट ने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। (एजेंसी)

विद्यालय की टॉपर बनीं गंजुन

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय बालिका इंटर कॉलेज श्रीनगर में हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में गुंजन ने 91.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। वह एक-दो नंबर से प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान नहीं ला पाई। गुंजन ने बताया कि उन्हें अंग्रेजी और साइंस में अच्छे अंकों की उम्मीद थी। मूल रूप से वह कीर्तिनगर ब्लॉक के टकोली गांव की रहने वाली है और उसके पिता भगवती प्रसाद पुंडोरा फोटोग्राफर हैं जबकि माता गीता देवी गृहिणी हैं। उन्होंने कहा कि वह इंटर बोर्ड परीक्षा में मेरिट में आए इसके लिए वह अभी से मेहनत पर जुट जाएंगी। (एजेंसी)

सविमं श्रीकोट के शिवाशीष ने किया विद्यालय टॉप

श्रीनगर गढ़वाल : सरस्वती विद्या मंदिर श्रीकोट गंगानाली के छात्र मेरिट में आते-आते रह गए। प्रधानाचार्य भीमराज सिंह बिष्ट ने बताया कि हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में शिवाशीष भट्ट ने 92.2 प्रतिशत, प्रिंसी ने 92 प्रतिशत, रिजुल रावत ने 91 प्रतिशत, अक्षत चमोली ने 90.6 प्रतिशत, अनामिका ने 90 प्रतिशत और सिमरन चमोला ने 90.4 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। इंटर बोर्ड में आयुष शाह ने 93.4 प्रतिशत, प्रांजल पुरोहित ने 91 प्रतिशत, मयंक पुरोहित ने 90.2 प्रतिशत, मृणाल घिल्डियाल और अतुल रावत ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। (एजेंसी)

हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में बेटियों ने लहराया परचम

नई टिहरी। उत्तराखंड हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में टिहरी जिले के 15 छात्र–छात्राओं ने प्रदेश की मेरिट सूची में जगह पाई है। 10 बेटियों ने शानदार प्रदर्शन कर बेटों को पछाड़ा दिया। वहीं इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में दो ही छात्र प्रदेश की मैरिट लिस्ट में स्थान पाने में कामयाब रहे। हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा परिणाम में टिहरी जिले से बेटियों ने बेहतर प्रदर्शन कर जिले और अपने स्कूलों का मान बढ़ाया है। हालांकि छात्र मेघराज ने सबसे अधिक 95. 60 प्रतिशत अंक हासिल मेरिट सूची में 10 वां स्थान हासिल कर जिले में पहला स्थान हासिल किया है। सूची में जिले के कुल 15 छात्र–छात्राओं ने स्थान पाया है जिसमें से 10 बेटियां शामिल है। मात्र 5 छात्र ही मेरिट लिस्ट अपना नाम दर्ज करने में सफल हो पाए हैं। छात्रा आकांक्षा 94. 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश स्तरीय रैंक में 14 वां स्थान हासिल कर छात्राओं के बीच पहला स्थान पाया है। सूची में छात्राओं की अधिक संख्या होने से उन्होंने साबित कर दिया है, कि बेटियां भी किसी से पीछे नहीं है। कठिन परिस्थितियों सफलता की राह उनकी बाधा नहीं बन सकती है।

वहीं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा परिणाम में शुभम सिंह पंवार ने 94. 80 प्रतिशत अंक के साथ पहला तथा छात्र अनीष जोशी 94. 60 प्रतिशत अंक के साथ जिले में दूसरा स्थान हासिल किया है। इस बार जिले के किसी भी विद्यालय की छात्रा ने प्रदेश की टॉप 25 सूची में स्थान बनाने में कामयाबी हासिल नहीं कर पाई है।

भैरवनाथ मंदिर में पूजा–अर्चना शुरू

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद प्रथम शनिवार को धाम स्थित भकुंट भैरवनाथ मंदिर में भी पूजा–अर्चना शुरू हो गई। इसके साथ ही अब केदारनाथ धाम में भगवान की नित्य आरती भी शुरू हो जाएंगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे और जयकारों के बीच दर्शन किए।

ज्योति की शानदार सफलताः उत्तराखंड बोर्ड में आठवीं रैंक, गणित में शत-प्रतिशत अंक

छात्रा ज्योति को मिष्ठान खिलाते शिक्षक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज, जयदेवपुर सिगड्डी की मेधावी छात्रा ज्योति ने उत्तराखंड बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की मेरिट सूची में 8वां स्थान प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। ज्योति ने 500 में से 480 अंक हासिल किए, जो उनकी मेहनत और लगन का प्रमाण है। ज्योति की इस उपलब्धि की सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने गणित विषय में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उनकी इस सफलता पर विद्यालय में शिक्षकों द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया और मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य शोबेंद्र जोशी ने बताया कि इस वर्ष स्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। कुल 28 छात्र-छात्राओं में से 27 विद्यार्थी सफल रहे, जिनमें 13 ने प्रथम श्रेणी हासिल की। उन्होंने कहा कि विद्यालय में छात्रों के बेहतर भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। गणित शिक्षक राजीव शर्मा ने बताया कि इस बार विद्यार्थियों ने गणित विषय में विशेष रूप से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जिसमें ज्योति का परिणाम सबसे प्रेरणादायक रहा।

शांति वल्लभ मेमोरियल इंटर कॉलेज मानपुर का इंटर परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शांति वल्लभ मेमोरियल इंटर कॉलेज मानपुर का इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम सत्र 2025–26 में शत–प्रतिशत रहा। विद्यालय के सभी 34 छात्र–छात्राओं ने सफलता प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय से कुल 34 परीक्षार्थियों में से 31 छात्र–छात्राएं प्रथम श्रेणी में तथा 3 छात्र–छात्राएं द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। विज्ञान वर्ग के छात्र दिव्यांश ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं शुभम रावत ने 84 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा मानसी ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। दिव्यांश का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा, जिन्होंने भौतिकी विषय में 100 प्रतिशत एवं रसायन शास्त्र में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त अवनीश पटवाल, साक्षी कुमारी, देवेंद्र, दिव्या, निहारिका और प्रिया ने भी इंटर विज्ञान परीक्षा ससम्मान उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य वरुण कुमार भदोला ने सभी सफल छात्र–छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है।

मेहनत और लगन का शानदार उदाहरणः सौरभ भारद्वाज ने प्रदेश में हासिल की आठवीं वीं रैंक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, पदमपुर मोटाढांक के मेधावी छात्र सौरभ भारद्वाज ने इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की मेरिट सूची में 8वां और जिले में दूसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सौरभ ने 95 .8 प्रतिशत अंक हासिल किए, जो उनकी कड़ी मेहनत और अनुशासन का प्रमाण है। खास बात यह रही कि सौरभ ने बिना किसी ट्यूशन के स्व–अध्ययन के दम पर यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने प्रतिदिन लगभग 5 से 6 घंटे नियमित पढ़ाई कर अपनी मजबूत तैयारी सुनिश्चित की। इससे पहले भी वें हाईस्कूल परीक्षा में प्रदेश की मेरिट सूची में 17वां स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दे चुके हैं। सौरभ का लक्ष्य भविष्य में इंजीनियर बनकर देश की प्रगति में योगदान देना है। वे अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता को देते हैं। उनके पिता मुकेश चंद्र पत्रकार हैं, जबकि माता सरोजनी देवी गृहिणी हैं। परिवार का सहयोग और प्रोत्साहन सौरभ की सफलता की मजबूत नींव रहा है। उनके बड़े भाई गौरव भारद्वाज भी देहरादून से बीटेक की पढ़ाई कर रहे हैं, जिससे उन्हें निरंतर प्रेरणा मिलती रही। विषयवार अंकों की बात करें तो सौरभ ने गणित में 100 में से 99, अंग्रेजी में 97 और हिंदी में 95 अंक प्राप्त किए। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय के शिक्षकों और अभिभावकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भीषण गर्मी, पानी को तरसे शिवराजपुर के लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्मी का पारा चढ़ने के साथ ही पेयजल किल्लत होने लगी है। भाबर क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 32 शिवराजपुर में पिछले तीन दिन से पेयजल की किल्लत बनी हुई है। क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच पेयजल आपूर्ति बाधित होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि जल संस्थान की ओर से पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं की गई है। उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था करने व नलकूप को जल्द ठीक करा पेयजल आपूर्ति सुचारू करने की मांग उठाई है।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य आलोक रावत, बबली देवी, सलोनी, किरन, विजय नेगी, मोहन सिंह नेगी आदि ने बताया कि उनके वार्ड शिवराजपुर में जल संस्थान के 45 नंबर ट्यूबवैल से पेयजल आपूर्ति होती है। इसके अलावा उमरावनगर के कॉलोनी वालों का प्राइवेट ट्यूबवैल को भी इससे इंटरकनेक्ट किया गया है। इसके बावजूद क्षेत्र में लो प्रेशर की समस्या बनी हुई थी। क्षेत्रवासियों की मांग पर जल संस्थान की ओर से अधिक क्षमता की मोटर लगाई गई, लेकिन इसके बावजूद लो प्रेशर होने के कारण मोटर भी पानी नहीं खींच पा रही है। पिछले तीन दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह से ठप पड़ी हुई है, जिससे क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी में लोगों की मुश्किलें और भी बढ़ गई है। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि जल संस्थान की ओर से उन्हें बिल भी समय पर नहीं दिए जा रहे हैं। कर्मचारी की ओर से क्षेत्र के सभी बिल एक दुकान में दे दिए जाते हैं। जिससे क्षेत्रवासी समय पर बिलों का भुगतान भी नहीं कर पाते हैं। उन्होंने क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति सुचारू करने व क्षेत्रवासियों को समय पर बिल देने की मांग की है।

ओलम्पियाड में एमकेवीएन ग्रुप के बच्चों ने लहराया परचम

आरव ममगांई व भाव्या शर्मा ने राज्य स्तर पर किया नाम रोशन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : साइंस ओलम्पियाड फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंडियन टैलेंट ओलम्पियाड सत्र 2025-26 के घोषित परिणामों में एमकेवीएन एजुकेशनल ग्रुप के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। परिणाम घोषित होते ही विद्यालय में खुशी का माहौल देखा गया।

एमकेवीएन कण्वघाटी, देवी रोड एवं दुर्गापुरी शाखाओं में आयोजित साइंस, मैथ्स, जीके एवं अंग्रेजी ओलम्पियाड के द्वितीय चरण में कुल 101 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इनमें गणित विषय में आरव ममगांई ने राज्य स्तर पर 5वीं रैंक प्राप्त कर स्टेट टॉपर सूची में स्थान बनाया, जबकि भाव्या शर्मा ने विज्ञान विषय में 7वीं रैंक हासिल कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इसके अतिरिक्त आयुष नेगी, दिव्यांशु ध्यानी, कार्तिक नेगी एवं दक्षिता ने 'एक्सीलेंट मेडल अवार्ड' प्राप्त किया। वहीं इशिता, मनस्वी, समर्थ रावत, औजस नेगी, तेजस, सार्थक सिंह,

आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी

अर्थव, जैद, शार्वी, सुरकीति नेगी, अनिकेत असवाल, सारांश, याशिका उनियाल, तनवी, काव्यांश, इशानी बिष्ट, लक्षित कुकरेती, मन्नत शर्मा, अनाया, रितेन्द्र रावत, अयांश घिल्डियाल, अद्विक रावत, अशिका, सूरज नौटियाल, सिद्धि लखेड़ा, आराध्या रावत, दृष्टिओम मंडेलिया, इशानी डबराल एवं प्राची नेगी को क्लास टॉपर के रूप में सम्मानित किया गया। ओलम्पियाड में सफल छात्र-छात्राओं को संस्था के प्रबंध निदेशक प्रकाश चन्द्र कोठारी एवं शिक्षा निदेशिका श्रीमती सिन्धु कोठारी द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान किए गए। इस अवसर पर अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसी प्रतियोगिताओं के आयोजन की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम में विद्यालय के कार्यकारी निदेशक मयंक प्रकाश कोठारी 'भारतीय' ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाती हैं और उन्हें भविष्य में नए आयाम हासिल करने के लिए प्रेरित करती हैं। सम्मान समारोह में उपनिदेशिका श्रीमती सोनम कोठारी, प्रशासनिक निदेशक विपिन जदली, प्रधानाचार्या सुनीता नैथानी सहित विद्यालय के अनेक शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

इंडक्शन प्रोग्राम व पुस्तक मेले का आयोजन, छात्रों को वितरित की गईं पुस्तकें

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) के अध्ययन केंद्र राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में एक भव्य इंडक्शन प्रोग्राम (दीक्षा समारोह) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित छात्रों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, नियमों और शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराना रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य ने की, जबकि संचालन अध्ययन केंद्र के सहायक समन्वयक डॉ. कपिल थपलियाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. राखी डिमरी ने छात्रों को विश्वविद्यालय के नियमों, अकादमिक कैलेंडर, ऑनलाइन असाइनमेंट जमा करने की प्रक्रिया, परीक्षा प्रणाली एवं काउंसलिंग सत्रों की उपयोगिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रो. डिमरी ने अपने संबोधन में कहा कि मुक्त शिक्षा प्रणाली में सफल होने के लिए स्वयं-अध्ययन के साथ तकनीकी ज्ञान भी अत्यंत आवश्यक है। इंडक्शन

प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों को इन सभी पहलुओं के प्रति जागरूक करना है। इंडक्शन कार्यक्रम के उपरांत परिसर में पुस्तक मेले का भी आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम से संबंधित आवश्यक पुस्तकें वितरित की गईं, जिससे वे समय पर अपनी पढ़ाई प्रारंभ कर सकें। छात्रों ने इस पहल का स्वागत करते हुए उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य ने नवप्रवेशित छात्रों को बधाई देते हुए निरंतर अध्ययन के लिए प्रेरित किया तथा आश्वासन दिया कि अध्ययन केंद्र छात्रों की हर शैक्षणिक समस्या के समाधान के लिए सदैव उपलब्ध रहेगा। इस अवसर पर डॉ. संदीप किमोठी एवं डॉ. अनुपम कोठारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में उमेश खुगशाल, संदीप चौहान, कुलदीप रावत एवं कमलेश कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन छात्रों के प्रश्नों के उत्तर एवं उनके संशयों के समाधान के साथ हुआ।

जिला प्रशासन हीट वेव से निपटने को पूरी तरह तैयार : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने जानकारी दी कि ग्रीष्म ऋतु के दौरान संभावित आपदाओं एवं हीट वेव के प्रभावी प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि जन-जीवन एवं आधारभूत सेवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव को न्यूनतम रखने के लिए समन्वित प्रयास किए जा रहे है। जिलाधिकारी ने जनपद वासियों से अपील की है कि भीषण गर्मी के दौरान अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, हल्के व सूती वस्त्र पहनें तथा बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों का विशेष ध्यान रखें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचित करें। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में हीट वेव की जताई गयी संभावना के तहत बढ़ते तापमान, जल संकट, विद्युत आपूर्ति पर दबाव, वनाग्नि एवं आगजनी जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए विभागों को अलर्ट मोड में रखा गया है। साथ ही, हीट वेव के दौरान जन स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को देखते हुए सम्बंधित विभागों को सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, स्वच्छ पेयजल की निर्बाध आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था की सुचारुता, अग्निशमन संसाधनों की तत्परता, स्वच्छता एवं जल निकासी, पशुधन देखभाल तथा कार्यस्थलों पर श्रमिकों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

गर्भवती महिलाओं को संस्थागत प्रसव हेतु किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : स्वास्थ्य विभाग पौड़ी द्वारा विकासखंड थलीसैंण के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर ब्यासी में गृह आधारित प्रसव की रोकथाम व संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारूल गोयल की अध्यक्षता में शिविर में का आयोजन किया गया। चिकित्सकों ने गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें संस्थागत प्रसव कराने के लिए जागरूक किया। गुरूवार को गर्भवती महिलाओं की जांच व संस्थागत प्रसव के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर क्षेत्र की 13 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें संस्थागत प्रसव हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही आमजन को मातृत्व सुरक्षा से जुड़ी सभी योजनाओं की जानकारी दी गई। कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित प्रसव को बढ़ावा देना ह, ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आ सके। इस अवसर पर निम्मी कुकरेती, समीर बिष्ट, सी.एच.ओ. नीतू, एएनएम मंजू सती, तुलसी देवी आदि मौजूद रहे।

कल्जीखाल के प्रमोद ने हाईस्कूल की प्रदेश सूची में 15वीं रैंक की हासिल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी जनपद से कल्जीखाल ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज पुरियाडांग के मेधावी छात्र प्रमोद कुमार मैंदेला ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश की सूची में 15वीं रैंक प्राप्त की। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षाओं के घोषित परिणामों में विकासखंड कल्जीखाल के राजकीय इण्टर कॉलेज पुरियाडांग के छात्र प्रमोद कुमार मंदोला ने दसवीं में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में 15वीं रैंक हासिल कर माता-पिता, क्षेत्र और विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रमोद कुमार की माता श्रीमती कविता देवी आंगनबाड़ी कार्यकत्री है। जबकि पिताजी विधानचंद्र मैंदोला कर्मशियल वाहन चालक है। प्रमोद कुमार की बड़ी बहन काजल मैंदोला हाल में भारतीय सेना में अग्निवीर में भर्ती हुई है। प्रधानाचार्य मनोज कुमार घुनियाल ने प्रमोद कुमार को बोर्ड परीक्षाओं में मेरिट श्रेणी में आने पर 5100 रूपये की धनराशि पुरस्कार के तौर देने की घोषणा की। छात्र को यह धनराशि प्रतिभा दिवस पर दी

जायेगी। प्रमोद कुमार मैंदोला प्राथमिक शिक्षा सरस्वती विद्या मंदिर घंडियाल से हुई। छात्र प्रमोद ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों को दिया। इस अवसर पर विद्यालय संस्थापक पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह नेगी, पूर्व पीटीए अध्यक्ष जगमोहन डांगी, विद्यालय संरक्षक आर.पी नैथानी, पूर्व पीटीए अध्यक्ष एवं एसएमसी अध्यक्ष जसवीर रावत, क्षेत्र पंचायत सदस्य श्रीमती कविता देवी, ग्राम प्रधान एवं पूर्व पीटीए अध्यक्ष अशोक रावत, वर्तमान पीटीए अध्यक्ष हिमानी भंडारी आदि ने छात्र की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अमकोटी में जरूरतमंद बच्चों को दी जा रही निशुल्क शिक्षा

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक जखोली के अमकोटी का सरस्वती बाल विद्या मंदिर शिक्षा का प्रेरणादायक केंद्र बनकर उभरा रहा है। हंस कल्चरल सेंटर नई दिल्ली के माध्यम से संचालित इस केंद्र में जरूरतमंद बच्चों के लिए निशुल्क शिक्षा, गणवेश, पुस्तकें और कॉपियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस विद्यालय में लगातार प्रवेश लेने वाले छात्र–छात्राओं की संख्या बढ़ रही है और क्षेत्र के लोग इस विद्यालय में अपने बच्चों को प्रवेश दे रहे हैं।

जयंती पर हिमालय पुत्र हेमवती नंदन बहुगुणा को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हिमालय पुत्र स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की 107वीं जयंती के अवसर पर हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल के बिड़ला परिसर स्थित एसीएल सभागार में स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम से पूर्व विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में स्थापित स्व. बहुगुणा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। तत्पश्चात सभागार में दीप प्रज्वलन एवं प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के संयोजक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओम प्रकाश गुसाईं ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत की। डॉ. कपिल पंवार ने स्व. बहुगुणा के जीवन एवं उनके राजनीतिक-सामाजिक

योगदान का विस्तृत परिचय देते हुए उनके व्यक्तित्व की बहुआयामी विशेषताओं को रेखांकित किया। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता सोमवारी लाल उनियाल ने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि उनका प्रथम परिचय बहुगुणा जी से श्रीनगर में हुआ था। उन्होंने कहा कि बहुगुणा जी कुशल राजनेता के साथ बहुत स्पष्टवादी व्यक्तित्व थे। उन्होंने इंदिरा गांधी की एक सभा का उल्लेख करते हुए बताया कि बहुगुणा जी ने एक सभा में स्पष्ट शब्दों में कहा था कि ह्नहिमालय ने देश को पर्यावरण दिया है, अब वे बताएं कि देश ने हिमालय को क्या दिया।ह्व साथ ही उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि उनका लगभग 17 वर्षों तक बहुगुणा जी के साथ निकट जुड़ाव रहा। एक पत्रकार के रूप में उन्होंने देखा कि उत्तराखंड के लिए अलग राज्य की अवधारणा बहुगुणा जी के चिंतन में प्रारंभ से ही विद्यमान थी। उनके प्रयासों से एक ही राज्य में दो बजट की व्यवस्था कर पर्वतीय क्षेत्रों के विकास हेतु पृथक बजट की परिकल्पना साकार हुई। अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रो. एनएस पंवार ने कहा कि हेमवती नंदन बहुगुणा केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि दूरदर्शी चिंतक एवं जननायक थे। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं क्षेत्रीय संतुलन के लिए जो नीतिगत हस्तक्षेप किए, वे आज भी प्रासंगिक हैं। इस अवसर पर संकाय अध्यक्ष नियुक्ति एवं प्रोन्नति प्रो. मोहन पंवार ने अपने वक्तव्य में बहुगुणा जी के पहाड़ से गहरे जुड़ाव को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने पर्वतीय समाज की समस्याओं को न केवल समझा, बल्कि उन्हें नीतिगत प्राथमिकता दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके प्रयासों से पहाड़ की अस्मिता, संसाधनों एवं विकास के प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श में प्रमुखता से उभरे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राहुल बहुगुणा ने किया। इस अवसर पर मुख्य छात्र सलाहकार प्रो. एम.एम. सेमवाल, प्रसिद्ध साहित्यकार एवं पत्रकार प्रदीप डबराल, प्रो. मंजुला राणा, प्रो. मंजू गुसाईं, प्रो. एम.सी. सती, प्रो. बी.पी. नैथानी, डॉ. अनुरागी, डॉ. नितिन सती, डॉ. अरुण शेखर बहुगुणा, जनसम्पर्क अधिकारी आशुतोष बहुगुणा आदि मौजूद थे।

दैनिक जयन्त-विचार

संपादकीय

आप को बड़ा झटका

पंजाब में विधानसभा चुनाव से सिर्फ दस महीने पहले, राज्यसभा के सात सांसदों द्वारा आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने से पार्टी का संकट गहराता नजर आ रहा है। बगावती तेवरों वाले तीन राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी में विभाजन की घोषणा करते हुए कहा है कि उच्च सदन में आप के दो-तिहाई सांसद यानी दस में सात सदस्यों ने एक गुट के रूप में भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का निर्णय कर लिया है। हाल के महीनों में खासे मुखर रहने वाले राघव चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटाये जाने के बाद उनके द्वारा शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद तो विभाजन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। विडंबना यह है कि राज्यसभा में राघव चड्ढा के स्थान पर आप के उप नेता की जगह लेने वाले अशोक मित्तल ने भी उनका ही साथ दिया है। इसमें दो राय नहीं कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के लिये यह सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। एक समय था कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी में नई पीढ़ी का ऊर्जावान प्रतीक चेहरा माना जाता रहा है। अब वे ही आप नेतृत्व पर पार्टी के मूलभूत आदर्शों से पीछे हटने का आरोप लगा रहे हैं। राघव व पार्टी के अन्य बागी सांसदों ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी जनसरोकारों को प्राथमिकता देने के बजाय निजी लाभ को तरजीह दे रही है। उनके निशाने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ही हैं। जिन्हें पंजाब में मान सरकार की बागडोर दिल्ली से संचालित करने वाला माना जाता रहा है। जैसा कि आपेक्षित था, आबकारी नीति मामले में मुश्किल में फंसे और अदालती लड़ाई लड़ रहे केजरीवाल ने इन सांसदों पर विश्वास तोड़ने और पंजाब की जनता से छल करने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने आप से अलग होने वाले सांसदों पर पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात करने वाला बताया है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी केजरीवाल के निशाने पर है, जिस पर उन्होंने सुनियोजित साजिश करके आम आदमी पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वास्तव में भाजपा सीमावर्ती राज्य पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी जड़ें मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इसी कड़ी में भगवा पार्टी ने हाल के वर्षों में पंजाब के कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाबी पायी है। निश्चित रूप से राज्य सभा में आप के दो तिहाई सांसदों का टूटकर भाजपा में मिलना आम आदमी पार्टी के लिये बड़ी चुनौती है। जिसके चलते पंजाब में अपनी खोई जमीन पाने के लिये पार्टी को एकजुट करके आगे बढ़ने की बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि आप के कुछ और नेता आगामी दिनों में भाजपा का दामन थाम लें। लेकिन यहां सवाल आप सुप्रीमो पर उठ रहे हैं कि क्या उन्होंने इन नेताओं को राज्यसभा का टिकट देते वक्त पार्टी की रीति-नीतियों की कसौटी पर परखा था या फिर पार्टी की आर्थिक प्राथमिकताओं को ही उनकी योग्यता मान लिया गया था। जाहिर है ये लोग सार्वजनिक जीवन में बहुत चर्चित चेहरे होने के बजाय आर्थिक रूप से समृद्ध लोग रहे हैं।

चिंतन-मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ?से ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है-भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या, मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

भारत को लेकर डोनाल्ड ट्रम्प का बयान निंदनीय है

संजय गोस्वामी

अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प का बयान नर्क है भारत बेहद निंदनीय है हाँ उनके लिहाज से हो सकता है क्योंकि भारत में पश्चिमी सभ्यता का नष्ट हुआ और भारत में भगवान राम ने त्याग और मयार्दा का जो पालन किया वो सभी के लिए प्रेरणादायक है नर्क है तो आखिर स्वर्ग क्या है हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अप्सराएं इंद्रलोक (स्वर्ग) की दिव्य नृत्यांगना, गायिका और सेविका हैं, जो बेमिसाल सुंदरता और जादुई शक्तियों से संपन्न मानी जाती हैं। ये गंधर्वों के साथ मिलकर देवताओं का मनोरंजन करती हैं और ऋषियों की तपस्या भंग करने के लिए जानी जाती हैं। प्रमुख अप्सराओं में रंभा, उर्वशी, मेनका और तिलोत्तमा शामिल है अतः यहाँ अप्सराएं राजा को खुश करने के लिए नहीं नाचती है स्वर्ग में मजा है लेकिन मजा ही एक दिन सजा का कारण बनती है यहाँ के लोग मेहनत करते है खून पसीना बहा कर दो पैसा कमाते है लेकिन गुंडागर्दी नहीं करते हैं त्याग का रास्ता जो हमारे भगवान राम ने दिखाया है वो पूर्ण विश्व के लिए एक शांति का संदेश है अगर हर मनुष्य भगवान राम का मात्र 10 मिनट भी ध्यान कर ले तो क्रोध कभी नहीं आएगा लोग काम की चिंता में डूबे रहते हैं लेकिन क्या होगा यदि हम नहीं कर पाएं, काम में गलती होती है लेकिन राम का नाम हमें यही बताता है यहाँ हम सब एक मुसाफिर हैं इसलिए ना किसी बात की चिंता करो ना ही हिम्मत हारो और क्रोध को नियंत्रण करना सिर्फ भगवान राम से ही सीखा जा सकता है क्योंकि जब समुद्र लंका जाने में रास्ता नहीं दे रहा था तो लकक्ष्मणजी उनके भाई समुद्र में बाण चला देते लेकिन बाद में भगवान राम ने रोका और समुद्र ने अपनी बात बताई क्योंकि भगवान राम कहते हैं हमें हमेशा दूसरे के बारे में भी सोचना चाहिए यदि गलत हुआ हो तो अवश्य ही अन्याय के खिलाफ आवाज उठाए पहले से ट्रम्प का भारत के प्रति रवैया बहुत ही शर्मनाक रहा और हाल ही में आतंकवादी के गढ़ का देश पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शान्ति वार्ता का शुभारम्भ कराकर ऐ दिखाने की कोशिश की गईं कि भारत देश की विदेश नीति सही नहीं है लेकिन पाकिस्तान में शान्ति वार्ता को झटका भी लगा और ईरान ने आपकी शर्त मानने से इंकार कर दिया आप ईरान में इजराइल के साथ मिलकर जंग में इसलिए कूदे की तेल के बड़े भंडार पर कब्जा कर ले लेकिन इजराइल का ऑब्जेक्टिव कुछ और है और वो ना तो शान्ति वार्ता में पाकिस्तान गया ना ही सीजफायर की पेशकश की आप रातोंरात 63 साल के मादुरो और उनकी पत्नी को शनिवार को वेनेजुएला में उनके परिसर से अमेरिकी सैनिकों ने पकड़ा था। यह अचानक रातों-रात चलाया गया एक अभियान था, जिसमें कुछ सैन्य ठिकानों पर हमले भी हुए। गिरफ़्तारी के बाद दोनों को न्यूयॉर्क की एक जेल में ले जाया गया तो आप खुद अपने अंदर झाँक कर देखें कबीर साहब ने सही कहा है :बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।।अथः कबीर दास जी कहते हैं कि जब मैं इस संसार में दूसरों की बुराई या कमियां खोजने निकला, तो मुझे कोई भी बुरा नहीं मिला। लेकिन जब मैंने अपने मन (दिल) के भीतर झांककर देखा, तो मुझे एहसास हुआ कि मैं स्वयं ही सबसे अधिक बुरा (दोषी) हैं संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (Self-reflection) और विनम्रता का संदेश देता है, जो बताता है कि दूसरों में बुराई खोजने से पहले हमें अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत 140 करोड़ लोगों का एक शांतिप्रिय देश है और लोकतान्त्रिक देश है भारत ने आपसे पूछ कर 1998 में परमाणु परीक्षण आपके ही सेटेलाइट को चकमा दे कर किया और कारगिल विजय पर अटलजी ने पाकिस्तान को क्या खुब कहा था:अमेरिका से एक नहीं दो नहीं करो बीसों समझौते पर स्वतन्त्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा अगणित बलिदानो से अर्जित यह स्वतन्त्रता अश्रु स्वेद शोणित से सिंचित यह स्वतन्त्रता त्याग तेज तपबल से रक्षित यह स्वतन्त्रता दुःखी मनुजता के हित अर्पित यह स्वतन्त्रता। भारत एक स्वतंत्र देश है नर्क है या स्वर्ग इसका फैसला ईश्वर कर सकता है जो सभी को चला रहा है आपसे अपना देश तो संभल नहीं रहा है आक्रोश है लोगों में क्योंकि युद्ध की आग में झोंक कर पूर्ण विश्व में तेल और गैस पर संकट आ गया, क्या आप सोचते हैं कि भारत आपसे दूध का निर्यात करें जिसे चारा में मांस खिलाया जाता है और दूध पीकर मन के अंदर विष भर ले, स्वर्ग की लालसा के लिए नर्क से होकर ही गुजरना पड़ता है अंग्रेजी हुकूमत ने भारतीय को नर्क में रखा लेकिन उनके त्याग और बलिदान से देश आजाद हुआ और स्वर्ग है हमारी मातृभूमि जिसे अनेक ऋषि और मुनि प्राचीन भारतीय संत या द्रष्टा थे, जिन्होंने गहन ध्यान (तप) और आध्यात्मिक साधना के माध्यम से दिव्य ज्ञान और शाश्वत सत्यों को प्राप्त किया। ऋषियों को ऐसे द्रष्टा के रूप में वर्णित किया गया है जिन्होंने वैदिक मंत्रों को प्रकट किया, जबकि मुनि ऐसे संत हैं जो अपने मौन व्रत या आध्यात्मिक मौन में गहरी तल्लीनता के लिए जाने जाते हैं। इसलिए भारत एक महान देश है. क्योंकि इसकी सभ्यता और संस्कृति पश्चिम देशों जैसी अश्लील नहीं है।

भारतीय ज्ञान-संपदा और वैश्विक नवाचार के बीच संवाद

ललित गर्ग

प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व बौद्धिक संपदा दिवस केवल किसी कानूनी अधिकार की औपचारिक स्मृति नहीं है, बल्कि यह मानव मस्तिष्क की उस सृजनशील शक्ति का उत्सव है जिसने सभ्यता को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर किया। इस वर्ष का विषय खेल और बौद्धिक संपदा को जोड़ते हुए यह संदेश देता है कि सृजन, परिश्रम और संरक्षण-ये तीनों मिलकर विकास की नई दिशा निर्मित करते हैं। आज जब संसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम और अंतरिक्ष अनुसंधान के युग में प्रवेश कर चुका है, तब बौद्धिक संपदा का महत्व और अधिक बढ़ गया है। किसी राष्ट्र की शक्ति अब केवल उसकी भौतिक संपदा से नहीं, बल्कि उसकी वैचारिक क्षमता, अनुसंधान परंपरा और ज्ञान के संरक्षण से भी मापी जाने लगी है। बौद्धिक संपदा का अर्थ है मनुष्य के मस्तिष्क से उत्पन्न वह मौलिक रचना जो समाज को नया विचार, नया उपकरण, नई कला, नई तकनीक या नई दिशा प्रदान करे। साहित्य, संगीत, वैज्ञानिक खोज, औषधि, तकनीकी आविष्कार, औद्योगिक रचना और विशिष्ट परंपरागत ज्ञान-ये सब बौद्धिक संपदा के अंतर्गत आते हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी सर्जक की रचना का अनुचित उपयोग न हो और उसके श्रम को उचित सम्मान तथा संरक्षण मिले। यह संरक्षण केवल व्यक्ति के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र के आत्मविश्वास और आर्थिक प्रगति के लिए भी आवश्यक है।

यदि विश्व के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो पश्चिमी देशों ने आधुनिक बौद्धिक संपदा व्यवस्था को संगठित रूप प्रदान किया। यूरोप और अमेरिका ने पेटेंट, प्रतिलिप्यधिकार और व्यापार चिह्नों के माध्यम से नवाचार को उद्योग से जोड़ा। वहां विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के बीच समन्वय ने ज्ञान को आर्थिक शक्ति में परिवर्तित किया। औद्योगिक क्रांति से लेकर डिजिटल क्रांति तक अनेक आविष्कारों ने विश्व की दिशा बदली। कंप्यूटर, इंटरनेट, जैव चिकित्सा और संचार क्रांति का आधार भी इसी संरक्षित बौद्धिक संपदा प्रणाली में निहित रहा। इन देशों ने यह समझ लिया कि भविष्य की समृद्धि केवल भूमि और खनिजों में नहीं, बल्कि विचारों की मौलिकता में छिपी है। किन्तु भारत की बौद्धिक परंपरा इससे कहीं अधिक प्राचीन और गहरी रही है। भारत ने संसार को केवल वस्तुएँ नहीं दीं, बल्कि जीवन-दृष्टि दी है। जब अनेक सभ्यताएँ अस्तित्व की खोज में थीं, तब भारत वेद, उपनिषद, आयुर्वेद, योग, गणित, ज्योतिष, दर्शन और व्याकरण के माध्यम से ज्ञान के उच्च शिखर पर खड़ा था। शून्य का सिद्धांत, दशमलव पद्धति, धातु विज्ञान, शल्य चिकित्सा, योग-साधना और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन की अवधारणा भारतीय मनीषा की देन हैं। आर्यभट्ट, चरक, सुश्रुत, पाणिनि और पतंजलि जैसे महापुरुषों ने ऐसे ज्ञान-स्त्रोत दिए जिनसे विश्व आज भी प्रेरणा लेता है। यह भारतीय बौद्धिक संपदा का वह स्वरूप है जो किसी दस्तावेज में पंजीकृत नहीं था, फिर भी मानवता की चेतना में अंकित रहा।

विश्व की आधुनिक बौद्धिक संपदा मुख्यतः व्यक्तिगत स्वामित्व पर आधारित है, जबकि भारतीय ज्ञान परंपरा सामूहिक कल्याण पर आधारित रही है। भारत में ज्ञान को व्यापार नहीं, साधना माना गया। यहां ऋषियों ने अपने अनुभवों को मानवता के लिए मुक्त रखा। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना में ज्ञान का उद्देश्य निजी लाभ नहीं, लोकमंगल था। यही कारण है कि भारतीय बौद्धिक संपदा का स्वरूप नैतिकता और आध्यात्मिकता से जुड़ा रहा। पश्चिम ने ज्ञान को संरक्षित कर समृद्धि अर्जित की, जबकि भारत ने ज्ञान को साझा कर संस्कृति अर्जित की। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी इस प्राचीन परंपरा को आधुनिक संरक्षण व्यवस्था से जोड़े ताकि उसका पारंपरिक ज्ञान वैश्विक बाजार में शोषण का शिकार न हो। हल्दी, नीम और बासमती जैसे उदाहरण इस संदर्भ में अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। कभी विदेशी संस्थानों ने भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर अधिकार स्थापित करने का प्रयास किया, किंतु भारत ने प्रमाण देकर सिद्ध किया कि यह ज्ञान उसकी सांस्कृतिक धरोहर है। इसके बाद भारत ने पारंपरिक ज्ञान डिजिटल पुस्तकालय जैसी पहल कर यह दिखाया कि अपनी बौद्धिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए आधुनिक साधनों का उपयोग कितना आवश्यक है। यह केवल अधिकार की रक्षा नहीं थी, बल्कि अपनी सभ्यता के सम्मान की रक्षा भी थी।

आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में बौद्धिक संपदा का प्रश्न और जटिल हो गया है। मशीनें चित्र बना रही हैं, लेख लिख रही हैं, संगीत रच रही हैं और निर्णय प्रक्रिया में भाग ले रही हैं। ऐसे समय में यह प्रश्न उठ रहा है कि सर्जक कौन है-मनुष्य या मशीन? यदि किसी कृत्रिम प्रणाली ने कोई नई खोज की तो उसका अधिकार किसे मिलेगा? यह चुनौती केवल कानून की नहीं, बल्कि दर्शन की भी है। भारत जैसे देश के लिए यह अवसर भी है क्योंकि यहां मानव-केंद्रित ज्ञान परंपरा है। भारत आधुनिक तकनीक को मानवीय मूल्यों से जोड़कर बौद्धिक संपदा की नई दिशा दे सकता है। भारत आज नवाचार की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। युवा उद्यमिता, अंतरिक्ष विज्ञान, औषधि निर्माण, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ग्रामीण तकनीक के क्षेत्रों में भारत ने विश्व को चकित किया है। चंद्रयान और गगनयान जैसे अभियानों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों में भी मौलिक बुद्धि चमत्कार कर सकती है। भारतीय औषधि उद्योग ने वैश्विक स्वास्थ्य संकट के समय सस्ती दवाओं और टीकों के माध्यम से विश्व का विश्वास जीता। यह केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय बौद्धिक क्षमता का वैश्विक प्रमाण है। फिर भी भारत को अभी लंबा मार्ग तय करना है। विश्व के विकसित देशों की तुलना में अनुसंधान निवेश, पेटेंट आवेदन, विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और कानूनी जागरूकता के क्षेत्र में भारत को और सशक्त होना होगा। हमारे यहां प्रतिभा की कमी नहीं, किंतु संरक्षण और प्रोत्साहन की व्यवस्था अभी पूर्ण नहीं है। अनेक युवा अपने विचारों को सुरक्षित कराने की प्रक्रिया से परिचित नहीं हैं। यदि शिक्षा व्यवस्था में आरंभ से ही सृजन और बौद्धिक अधिकारों की समझ विकसित की जाए तो भारत विश्व का अग्रणी ज्ञान-राष्ट्र बन सकता है।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि भविष्य उन्हीं का होगा जो विचारों का सम्मान करेंगे। जिस राष्ट्र ने अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा की, वही दीर्घकालीन विकास की दिशा में अग्रसर हुआ। भारत के पास प्राचीन ज्ञान की गहराई है और आधुनिक नवाचार की संभावना भी। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपनी परंपरा को आधुनिक संरचना से जोड़ें। भारत की बौद्धिक संपदा केवल पेटेंट या अधिकार का विषय नहीं है, वह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यदि उसे सही रूप में पहचाना और संरक्षित किया जाए तो भारत केवल विश्व बाजार में नहीं, बल्कि विश्व चेतना में भी अपना विशिष्ट स्थान पुनः प्राप्त कर सकता है। आज का यह दिवस हमें यही संदेश देता है कि भौतिक युग में भी सबसे बड़ी शक्ति मनुष्य की बुद्धि है, और उस बुद्धि की सबसे बड़ी सुरक्षा बौद्धिक संपदा है। भारत जब अपनी ज्ञान-परंपरा और आधुनिक नवाचार को एक साथ लेकर चलेगा, तब वह केवल विश्व से प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा, बल्कि विश्व को दिशा भी देगा।

पश्चिमी बंगाल की बंपर वोटिंग रचेगी नया इतिहास

मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है।

देश के अब तक के संवैधानिक इतिहास में पहली बार किसी राज्य का चुनाव मतदान है जिसमें इतना बंपर तादाद में मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल कर नया रिकार्ड बनाने की पहल की है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में राज्य की जनता ने इस बार बंपर मतदान किया है, जो राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। पहले चरण में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह राज्य की राजनीतिक चेतना, सामाजिक सक्रियता और लोकतांत्रिक भागीदारी का जीवंत उदाहरण है। जब लगभग नब्बे प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो यह स्पष्ट संकेत देता है कि जनता केवल दर्शक नहीं रहना चाहती,जनता जागरूक हो चुकी है बल्कि सत्ता के गठन में सक्रिय भूमिका निभाने को तैयार है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि इस बंपर वोटिंग के मायने क्या है और क्यों तृणमूल कांग्रेस तथा भारतीय जनता पार्टी दोनों ही अपनी-अपनी जीत के दावे कर रही हैं। इन सबके बीच सबसे पहले, इतने बड़े पैमाने पर मतदान को लोकतंत्र की मजबूती के रूप में देखा जाना चाहिए। अक्सर यह धारणा रही है कि शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत कम रहता है और ग्रामीण इलाकों में अपेक्षाकृत अधिक, लेकिन इस बार जिस तरह से हर वर्ग महिला, युवा, बुजुर्ग ने मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, वह एक सकारात्मक बदलाव का संकेत है। यह दशार्ता है कि लोगों में अपने अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। खासकर महिलाओं को बड़ी भागीदारी यह संकेत देती है कि वे अब केवल सामाजिक नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी अपनी भूमिका मजबूत कर रही हैं। सबसे बड़ी बात है कि इस बार का चुनाव पूर्व में बंगाल में हुए चुनावों के मुकाबले हिंसा कम हुआ है। बंगाल में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। हालांकि यह भी सच है कि मुर्शिदाबाद के नौदा और बीरभूम के खैराशोल जैसे क्षेत्रों में हिंसा और और ईवीएम ईवीएम से से जुड़ी शिकायतों कायतों ने ने चुनावी प्रक्रिया पर सवाल खड़े किए हैं। झड़पें, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं यह बताती हैं कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब भी कई जगहों पर असहिष्णुता में बदल जाती है। चुनाव आयोग और प्रशासन की जिश्वमेदारी है कि ऐसी घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई कर भरोसा कायम रखें। नौदा में हुमायूं कबीर द्वारा लगाए गए आरोप और खैराशोल में ईवीएम गड़बड़ी की शिकायतें केवल स्थानीय घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे उस व्यापक चुनौती की ओर इशारा करती हैं, जिसमें निष्पक्षता और पारदर्शिता को लगातार परखा जाता है। लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्वास की एक सतत प्रक्रिया है, जिसे बनाए रखना सभी संस्थाओं की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि इस बार केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस की तैनाती ने कई संभावित बड़ी घटनाओं को रोका है। इसी तरह बीरभूम के खैराशोल और अन्य इलाकों में ईवीएम में गड़बड़ी के आरोपों के बाद जो हिंसक झड़पें हुईं, वे तकनीकी विश्वास के संकट को सामने लाती हैं। जब मतदाता यह महसूस करने लगते हैं कि उनका बोट सही जगह नहीं जा रहा है, तो उनका आक्रोश स्वाभाविक है। हालांकि इस तरह की शिकायतों की सत्यता की जांच जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि चुनाव आयोग और प्रशासन इस तरह की आशंकाओं को तुरंत और पारदर्शी तरीके से दूर करें। बंगाल में चुनावी हिंसा कोई नई बात नहीं है। इसका इतिहास लंबा और जटिल रहा है। 1977 में वाम मोर्चा के सत्ता में आने के बाद से लेकर पंचायत राजनीति तक, सत्ता और संसाधनों पर नियंत्रण की लड़ाई ने कई बार हिंसक रूप लिया। पार्टी सोसाइटी जैसी अवधारणाएं इसी पृष्ठभूमि में जन्मी, जहां राजनीति ने सामाजिक ढांचे को पूरी तरह प्रभावित किया। 1993 की कोलकाता फायरिंग, सिंगूर और नंदीग्राम के आंदोलन, और 2011 के बाद के राजनीतिक बदलाव इन सभी घटनाओं ने यह दिखाया कि बंगाल की राजनीति में टकराव एक स्थायी तत्व बन चुका था। तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद उम्मीद थी कि हिंसा की संस्कृति में कमी आएगी, लेकिन 2018 के पंचायत चुनाव, 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव ने इस उम्मीद को पूरी तरह साकार नहीं होने दिया। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इस दिशा में संकेत करते हैं कि राजनीतिक हत्याओं के मामले में पश्चिम बंगाल लंबे समय से शीर्ष राज्यों में रहा है। हालांकि इन आंकड़ों पर अक्सर बहस होती रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। ऐसे परिदृश्य में 2026 के पहले चरण में अपेक्षाकृत कम हिंसा होना एक सकारात्मक संकेत जरूर है। खासकर यह तथ्य कि अब तक किसी बड़ी जानलेवा भटना की खबर नहीं आई है, राहत देने वाला है। जहां पहले चुनावी हिंसा आम बात होती थी, वहां अच नियंत्रण और सतर्कता दिखाई दे रही है। यह सुधार लोकतांत्रिक संस्थाओं के मजबूत होने का संकेत है। लेकिन छिटपुट झड़पें, बमबाजी और तोड़फोड़ की घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि अभी बहुत कुछ बदलना बाकी है। मगर पश्चिम बंगाल का यह चुनाव यह भी दिखाता है कि लोकतंत्र में सुधार धीरे-धीरे ही संभव है। हिंसा में कमी एक सकारात्मक कदम है, लेकिन पूरी तरह शांतिपूर्ण चुनाव अभी भी एक लक्ष्य है, जिसे हासिल करना बाकी है। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक सख्ती और सामाजिक जागरूकता तीनों का समन्वय जरूरी है। हालांकि इन सबके बीच अच्छी बात यह है कि पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा है, 2021 के विधानसभा चुनाव में 83.17 और 2016 विधानसभा चुनाव 82.66 प्रतिशत मतदान हुआ था, इस बार यह आंकड़ा 92 या 93 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। अब सवाल यह है कि बंपर वोटिंग का फायदा किसे होगा? राजनीतिक विश्लेषकों की राय अक्सर इस मुद्दे पर बंटी रहती है। एक पक्ष का मानना है कि उच्च मतदान प्रतिशत आमतौर पर सत्ता विरोधी लहर का संकेत होता है, यानी लोग बदलाव चाहते हैं और इसलिए बड़ी संख्या में वोट डालने निकलते हैं। यदि इस तर्क को मानें, तो यह भाजपा के पक्ष में जा सकता है, जो खुद को परिवर्तन का विकल्प बताती रही है। वहीं दूसरा पक्ष यह मानता है कि अधिक मतदान का मतलब यह भी हो सकता है कि सत्तारूवु दल के समर्थक अपने आधार को मजबूत करने के लिए अधिक संख्या में मतदान कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा और ग्रामीण क्षेत्रों में उसकी पकड़ को देखते हुए यह तर्क भी कमजोर नहीं है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ लोगों तक पहुंचा है, वहां सत्तारूढ़ दल के समर्थन में अधिक मतदान देखा जा सकता है। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का कहना है कि राज्य के लोगों ने एसआईआर के विरोध में वोटिंग किया है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दल इस बंपर मतदान को अपने-अपने तरीके से व्याख्यायित कर रहे हैं। तृणमूल इसे अपनी नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृति के रूप में देख रही है, जबकि भाजपा इसे बदलाव की इच्छा और सत्ताविरोधी लहर का संकेत बता रही है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं हो सकती है, जिसका फैसला केवल मतगणना के दिन ही स्पष्ट होगा। अंततः, यह कहा जा सकता है कि 89.93 प्रतिशत मतदान पश्चिम बंगाल के लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह दशार्ता है कि जनता अब अपने अधिकारों के प्रति सजग है और वह अपने भविष्य को तय करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहती है। चाहे परिणाम किसी के भी पक्ष में जाए, इस बंपर वोटिंग ने यह साबित कर दिया है कि लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में है। दरअसल पं बंगाल का चुनाव ममता बनर्जी की तृणमूल और भाजपा के बीच सत्ता पाने का अखाड़ा तो है ही इसमे दोनों के समर्थक वोटर भी आरपार के मूड में आ चुके हैं लंबे समय से सत्ता में काबिज ममता बनर्जी मुसलिम तुष्टिकरण की राजनीति और कानून व्यवस्था के बिगडते हालात के कारण राज्य के एक बड़े मतदाता वर्ग के भी निशाने पर है राज्य में बड़ी संख्या में केंद्रीय सुरक्षा बल की तैनाती ने छापा वोटिंग को नियंत्रित कर मतदाता को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है यही कारण है कि बंपर वोटिंग हुई है और परिणाम भी चौकाने वाला आएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में आने वाली पीढ़ी के लिए सिगरेट पर रोक की तैयारी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद ने एक नया बिल पास किया है, जिसके तहत 31 दिसंबर 2008 के बाद जन्मे लोग कभी भी सिगरेट नहीं खरीद पाएंगे। यह कानून लागू होने के बाद देश में धूम्रपान को कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने इसे ऐतिहासिक फैसला बताया और कहा कि इससे लोगों की जान बचेगी और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव कम होगा। इस बिल के तहत वेपिंग (ई-सिगरेट) पर भी कई जगहों पर रोक लगाई जाएगी, जैसे स्कूल, पार्क और अस्पताल। हालांकि, लोग अपने घरों में धूम्रपान कर सकेंगे और कुछ खुले स्थानों पर भी इसकी अनुमति होगी। यह कदम ब्रिटेन को दुनिया के सबसे सख्त एंटी-स्मोकिंग देशों में शामिल कर सकता है।

अमेरिका में प्रदर्शन के दौरान अधिकारी पर हमला करने का आरोप

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के कोलोराडो में एक इमिग्रेशन अधिकारी पर एक महिला प्रदर्शनकारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। अधिकारी पर तीसरे दर्जे के हमले और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है। घटना तब हुई जब लोग एक आईसीई केंद्र के बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। महिला ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने उसे पकड़कर गला दबाया और सड़क के दूसरी ओर फेंक दिया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिससे मामला और गंभीर हो गया है। इस मामले की जांच कोलोराडो जांच ब्यूरो कर रही है। पुलिस ने इसे गंभीर मामला बताया है और आगे की कार्रवाई जारी है। यह घटना अमेरिका में पुलिस और जनता के बीच बढ़ते तनाव को भी दिखाती है।

भ्रष्टाचार के आरोपों में दक्षिण अफ्रीका के पुलिस प्रमुख निलंबित

जोहान्सबर्ग., एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष पुलिस अधिकारी को गुरुवार को राष्ट्रपति द्वारा निलंबित कर दिया गया, उन पर कथित तौर पर भ्रष्ट पुलिस अनुबंध से संबंधित वित्तीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। फैनी मासेमोला मंगलवार को अदालत में पेश हुईं और उनके साथ 12 अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी पेश होने वाले थे, जिन पर स्थानीय कंपनी को कथित तौर पर गैरकानूनी रूप से दिए गए अनुबंध के संबंध में धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग का संदेह है। मासेमोला पर लगे आरोप पुलिस सेवा में लेखा अधिकारी के रूप में उनकी जिम्मेदारियों से संबंधित हैं। राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने गुरुवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि उन्होंने पुलिस सेवा में वित्तीय प्रबंधन सेवाओं के आयुक्त पुलेंग डिम्पाने को कार्यवाहक पुलिस आयुक्त नियुक्त किया है, जबकि मासेमोला पर मुकदमा चल रहा है। रामाफोसा ने कहा, 'मैंने जनरल मासेमोला से सहमति जताई है कि मामले के निष्कर्ष तक उन्हें एहतियाती निलंबन पर माना जाए।' उनका निलंबन देश की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद हुआ है, जिनका खुलासा पिछले साल रामाफोसा द्वारा नियुक्त एक जांच आयोग में हुआ था।

पाकिस्तान में गोलीबारी की घटनाओं में पांच की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में गोलीबारी की अलग-अलग घटनाओं में कम से कम पांच लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा में संपत्ति विवाद और लंबे समय से चली आ रही दुश्मनी के चलते गुरुवार को अलग-अलग घटनाओं में कम से कम पांच लोग मारे गए और सात घायल हो गए। ये घटनाएं चारसद्दा जिले के खुबाई, गोंडा और शबकदर बाजार क्षेत्रों में हुईं, जहां सशस्त्र व्यक्तियों ने गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग हताहत हुए। घायलों को इलाज के लिए पास के चिकित्सा केंद्रों में ले जाया गया। शबकदर और बटग्राम थानों के पुलिस अधिकारियों ने मामले दर्ज कर घटनाओं की जांच शुरू कर दी है।

लुइसियाना के मॉल में गोलीबारी, एक की मौत; पांच लोग घायल

लुइसियाना, एजेंसी। अमेरिका के लुइसियाना में एक मॉल में गोलीबारी की घटना सामने आई है। पुलिस ने बताया है कि मॉल के फूड कोर्ट के पास दो समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों के घायल होने की जानकारी पुलिस ने दी है। इससे पहले पुलिस ने 10 लोगों के घायल होने की जानकारी दी थी। लुइसियाना के गवर्नर ने गुरुवार को कहा कि बैटन रूज में मॉल ऑफ लुइसियाना में एक गोलीबारी की घटना हुई है। गवर्नर जेफ लैंड्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि मैं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ संपर्क में हूं और जैसे ही हमें अधिक जानकारी मिलेगी, हम आपको अपडेट करेंगे। कृपया उस क्षेत्र से दूर रहें। लैंड्री ने कहा कि वे और उनकी पत्नी पुलिस की त्वरित कार्रवाई के लिए आभारी हैं।

ईरान ने खारिज किया ट्रंप का अंदरूनी मतभेद का दावा; ड्रोन हमले के बाद कुवैत एयरपोर्ट में लगी आग

तेहरान/वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघर गालिबाफ ने गुरुवार को देश के भीतर आंतरिक विभाजन के दावों को सख्ती से खारिज किया और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े बयानों का जवाब दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि ईरान में किसी तरह का विभाजन नहीं है और सभी लोग एकजुट हैं तथा देश के नेतृत्व के प्रति वफादार हैं। उन्होंने लिखा कि ईरान में न तो कोई चरमपंथी है और न ही नरमपंथी, बल्कि सभी 'ईरानी' और 'क्रांतिकारी' हैं। गालिबाफ ने यह भी कहा कि देश बाहरी दबावों के बावजूद पूरी तरह एकजुट है और सरकार तथा जनता के बीच 'लोहे जैसी एकता' मौजूद है। उन्होंने इस्लामी गणराज्य के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के प्रति पूर्ण निष्ठा का भी जिक्र किया।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि ईरान किसी भी आक्रमण करने वाले को उसके कृत्यों पर पछताने पर मजबूर करेगा। उन्होंने कहा कि ईरान का मार्ग एकता और जीत का मार्ग है, जिसमें एक अल्लाह, एक नेता और एक राष्ट्र शामिल हैं। यह बयान उस समय आया, जब ट्रंप ने पहले दावा किया था कि ईरान के नेतृत्व में कट्टरपंथियों और नरमपंथियों के बीच आंतरिक मतभेद और संघर्ष चल रहा है।

गुयाना का दावा: जब्त टैंकर गलत तरीके से उसके झंडे का इस्तेमाल कर रहा था दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना ने कहा है कि एशिया में अमेरिका द्वारा जब्त किया गया एक तेल टैंकर गलत तरीके से उसके देश का झंडा इस्तेमाल कर रहा था। यह टैंकर कथित तौर पर प्रतिबंधित ईरान के कच्चे तेल को ले जा रहा था, जिस कारण अमेरिका ने इसे जब्त किया। गुयाना के समुद्री प्रशासन विभाग ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि यह जहाज उनके देश में पंजीकृत (रजिस्टर्ड) नहीं है। इसलिए इसका गुयाना का झंडा दिखाना पूरी तरह गलत और धोखाधड़ी है। इस्राइली सेना का दावा- लेबनान में मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाया इस्राइल ने कहा कि उसने लेबनान में उस मिसाइल लॉन्चर को निशाना बनाकर हमला किया है, जिसने गुरुवार को इस्राइल की ओर मिसाइल दागी थी, जिसे इस्राइली एयर डिफेंस ने रोक दिया था। इस हमले की जिम्मेदारी हिजबुल्ला ने ली है। इस्राइल की ओर से यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल-लेबनान के बीच संघर्षविराम को तीन हफ्ते के लिए बढ़ा दिया गया है। हिजबुल्ला ने कहा कि उसने लेबनान के याते गांव पर हुए इस्राइली हमले के जवाब में इस्राइल पर रॉकेट दागे। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस्राइली तोपखाने की गोलाबारी में एक बच्चे सहित दो लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि नबातिये क्षेत्र में इस्राइली हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हुई। वहीं, इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने उन तीन लड़ाकों को मार गिराया है, जिन्होंने इस्राइली विमान पर मिसाइल दागी थी। ड्रोन हमले के बाद कुवैत के हवाई अड्डे पर लगी आग ड्रोन हमले के बाद कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लग गई। कुवैत के विमानन प्राधिकरण ने बताया कि ड्रोन ने हवाई अड्डे पर एक ईंधन टैंक को निशाना बनाया, जिससे यह आग लगी। हवाई अड्डा के प्रवक्ता अब्दुल्ला अल-राजही ने कुवैत न्यूज एजेंसी को बताया कि शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार नुकसान केवल संपत्ति तक सीमित है और कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने तुरंत आपातकालीन प्रक्रिया दी और दमकल दल व संबंधित एजेंसियां आग पर काबू पाने में जुटी हुई हैं। कुवैत ने अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोला फरवरी के अंत में अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद कुवैत ने पहली बार अपना हवाई क्षेत्र फिर से खोल दिया है। कुवैत के विमानन प्राधिकरण के महानिदेशक हमूद मुबारक ने सरकारी समाचार एजेंसी केयूएनए को बताया कि कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र गुरुवार से फिर से खोल दिया गया है। इसे 28 फरवरी से क्षेत्र की स्थिति के कारण अस्थायी और एहतियाती तौर पर बंद किया गया था। उन्होंने कहा कि यह कदम एक चरणबद्ध योजना का हिस्सा है, जिसके तहत धीरे-धीरे हवाई यातायात बहाल किया जा रहा है, ताकि आने वाले समय में हवाई अड्डे का संचालन पूरी तरह सामान्य किया जा सके। मुबारक ने यह भी बताया कि हवाई अड्डे की कुछ सुविधाओं को ईरान और उससे जुड़े सशस्त्र समूहों के हमलों से जो नुकसान हुआ था, उसका आकलन पूरा कर लिया गया है।

अमेरिकी वॉर कॉलेज के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए भारतीय सेना प्रमुख

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज कार्लाइल बैरक्स के अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। भारतीय सेना ने शुक्रवार को इसे उनकी सैन्य सेवा और नेतृत्व का महत्वपूर्ण सम्मान बताया। जनरल द्विवेदी इस सम्मान को पाने वाले तीसरे भारतीय सेना प्रमुख बन गए हैं। इससे पहले जनरल वी.के. सिंह और जनरल बिक्रम सिंह को यह गौरव मिल चुका है।

भारतीय सेना ने किया ट्वीट : भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा पोस्ट में लिखा, 'जनरल उपेंद्र द्विवेदी, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने आर्मी वॉर कॉलेज कार्लाइल बैरक्स, यूएसए का दौरा किया, जहां उन्हें अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। यह सम्मान पाने वाले वह तीसरे भारतीय सेना प्रमुख हैं। पोस्ट में आगे कहा गया कि सेना प्रमुख ने वॉर कॉलेज की फैकल्टी और अंतरराष्ट्रीय सैन्य अधिकारियों को नेतृत्व, पेशेवर सैन्य शिक्षा और बदलते सुरक्षा परिदृश्य पर संबोधित किया। इंडक्टी के फेलो और इस प्रतिष्ठित संस्थान के पूर्व छात्र रहे जनरल द्विवेदी ने कॉलेज की प्रमुख सुविधाओं का दौरा किया और शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें पैनल चर्चा, शोध

परियोजनाओं की समीक्षा और संस्थान के विशेषज्ञों से संवाद शामिल रहा।

दूतावास ने कहा- भारत अमेरिका में बढ़ रही रणनीतिक साझेदारी : इससे पहले सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने वॉशिंगटन में इंडिया हाउस में जनरल उपेंद्र द्विवेदी की मेजबानी की। भारतीय दूतावास ने बताया कि यह दौरा हाल ही में नौसेना और वायु सेना प्रमुखों की यात्राओं के बाद हो रहा है, जो भारत-अमेरिका के बीच उच्चस्तरीय सैन्य सहयोग को दर्शाता है। दूतावास के अनुसार, रक्षा सहयोग भारत-अमेरिका वैश्विक रणनीतिक साझेदारी का एक अहम स्तंभ है और ऐसे दौरे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के साथ-साथ मुक्त, खुले और समृद्ध हिंद प्रशांत क्षेत्र के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में सहायक होंगे। इससे पहले, जनरल द्विवेदी को हवाई स्थित फोर्ट शाफ्टर में यूएस आर्मी पैसिफिक के दौरे के दौरान गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया।

जब तक ईरान समझौते पर सहमत नहीं हो जाता, तब तक अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट पर दबदबा बनाए रखेगा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जब तक ईरान कोई समझौता नहीं करता, तब तक अमेरिका स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर अपना नियंत्रण बनाए रखेगा। उन्होंने साफ कहा कि इस अहम तेल मार्ग को दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ट्रंप ने कहा, 'इस पर हमारा पूरा नियंत्रण है। यह रास्ता तभी खुलेगा जब वे कोई समझौता करेंगे या फिर कोई और सकारात्मक स्थिति बनेगी।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस रास्ते को बंद रखने का मकसद ईरान की अर्थव्यवस्था पर दबाव डालना है। ट्रंप बोले, 'अगर हम यह रास्ता खोल देते हैं, तो ईरान रोज़ाना करीब 500 मिलियन डॉलर कमाएगा। जब तक मामला सुलझ नहीं जाता, मैं नहीं चाहता कि वे इतना पैसा कमाएं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ एक संकरा समुद्री रास्ता है, जो खाड़ी के तेल उत्पादक देशों को दुनिया के बाजारों से जोड़ता है। यहां किसी भी तरह की रुकावट से तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव आता है और सप्लाई को लेकर चिंता बढ़ जाती है। ट्रंप ने माना कि इसका असर आम लोगों पर भी पड़ सकता है। ईंधन की कीमतों को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'थोड़े समय के लिए असर होगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि बाजार अभी स्थिर हैं। ट्रंप बोले, 'शेयर बाजार अपने उच्चतम स्तर पर है। मुझे लगा था कि तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और कीमतें उम्मीद से काफी अलग हैं। प्रशासन ने कहा कि देश में ज्यादा उत्पादन होने से स्थिति संभली हुई है। ट्रंप ने बताया, 'हम इस समय अपने इतिहास में सबसे ज्यादा तेल और गैस का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, 'जब तक यह रास्ता बंद है, दुनिया भर से जहाज टेक्सास, लुइसियाना और अलास्का आ रहे हैं, ताकि अमेरिका से तेल ले सकें।' ट्रंप ने इस पूरे दबाव को सुरक्षा से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, 'हम उन्हें परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते।' उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इस मामले का हल जल्दी नहीं निकलेगा। ट्रंप ने कहा, 'मुझे कोई जल्दबाजी नहीं है, हमारे पास काफी समय है।' इससे साफ है कि तेल के सीमित प्रवाह के कारण ईरान पर दबाव बढ़ता जाएगा।

ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध विराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजरायल और लेबनान के बीच युद्ध विराम को तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा की। इसके साथ ही इसे एक 'ऐतिहासिक' कदम बताया और वाशिंगटन में दोनों पक्षों के बीच संभावित सीधी बातचीत का संकेत दिया। यह फैसला ओवल ऑफिस में हुई एक बैठक के बाद सामने आया, जिसमें दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। अमेरिका में लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवाद और इजरायल के राजदूत येचिएल लीटर बैठक में शामिल थे। ट्रंप ने कहा, 'वे तीन सप्ताह के अतिरिक्त युद्धविराम पर सहमत हो गए हैं, अब और गोलीबारी नहीं होगी। दोनों देशों के नेता आने वाले सप्ताह में वाशिंगटन का दौरा कर सकते हैं।' उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इस कदम को 'एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षण' बताया

और दोनों पक्षों को एक साथ लाने का श्रेय राष्ट्रपति की सीधी भागीदारी को दिया। उन्होंने कहा कि इस विस्तार से दोनों देशों को दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए अवसर मिलेगा। बैठक में उपस्थित अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि इजरायल और लेबनान दोनों को हिजबुल्लाह को लेकर एक जैसी सुरक्षा चिंता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दोनों देश एक ही आतंकवादी संगठन के शिकार हैं, और आशा व्यक्त की कि युद्धविराम से दोनों देशों के बीच स्थायी शांति स्थापित हो सकती है। इजरायली राजदूत येचिएल लीटर ने कहा कि इजरायल शांति और नागरिकों की सुरक्षा चाहता है। दोनों सरकारें एकजुट हैं और हिजबुल्लाह के प्रभाव से देश को मुक्त कराना चाहती हैं। लेबनान की राजदूत नादा हमादेह मोवाद ने अमेरिकी समर्थन का स्वागत करते हुए कहा, 'आपकी मदद और समर्थन से हम लेबनान को फिर से स्थिर बना सकते हैं। ट्रंप ने युद्धविराम के प्रयास को व्यापक क्षेत्रीय कूटनीति से जोड़ा, जिसमें ईरान से संबंधित अमेरिकी प्रयास भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'इजरायल-लेबनान वार्ता, उन कुछ मुद्दों की तुलना में आसान होनी चाहिए जिन पर हम काम कर रहे हैं। दोनों पक्ष एक साझा खतरे के खिलाफ एकजुट हैं।' ट्रंप ने दोहराया कि हमले की स्थिति में इजरायल को जवाबी कार्रवाई का अधिकार है। उन्होंने कहा, 'इजरायल को अपनी रक्षा करनी होगी और वे करेंगे। कोई भी जवाबी कार्रवाई 'सतर्क' और 'सटीक' होगी। राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया कि सऊदी अरब जैसे क्षेत्रीय देश भविष्य की वार्ताओं में भूमिका निभा सकते हैं। सऊदी अरब 'इससे बहुत खुश होगा' और शांति प्रयासों का समर्थन करेगा।

ट्रंप ने लेबनान में स्थिरता की संभावनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बहुत अच्छी संभावना है कि वार्ता बहुत जल्दी फिर से शुरू हो सकती है। यह युद्धविराम विस्तार इजरायल-लेबनान सीमा पर लगातार तनाव के बीच हुआ है, जहां हिजबुल्लाह एक प्रमुख सशस्त्र समूह बना हुआ है। ईरान समर्थित यह समूह लंबे समय से क्षेत्रीय संघर्षों का केंद्र रहा है और इसे संयुक्त राज्य अमेरिका और इजरायल द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते करेंगी भारत का दौरा

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक अगले हफ्ते भारत की आधिकारिक यात्रा पर आएंगी। यह जानकारी उनकी प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने दी। प्रवक्ता ला नीस कॉलिन्स ने बताया कि भारत सरकार के निमंत्रण पर अपनी इस यात्रा के दौरान, बेयरबॉक अधिकारियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें करेंगी। वह भारत में संयुक्त राष्ट्र की टीम से भी मिलेंगी, जिसका नेतृत्व रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रीसनर कर रहे हैं। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की फरवरी में नई दिल्ली में 'एआई इम्पैक्ट समिट' में शामिल होने के बाद यह भारत में संयुक्त

राष्ट्र की दूसरी उच्च-स्तरीय यात्रा है। बेयरबॉक पहले भी भारत की यात्रा कर चुकी हैं। जर्मनी की विदेश मंत्री के तौर पर अपनी एक यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए दिल्ली मेट्रो में भी सफर किया था। हालांकि, महासभा की अध्यक्ष के तौर पर यह एनालेना बेयरबॉक की पहली भारत यात्रा है। भारत के बाद बेयरबॉक चीन की यात्रा पर जाएंगी। 2022 में मंत्री के तौर पर अपनी पहली यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था, 'चाहे वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र हो या उससे बाहर, इसमें कोई शक नहीं कि 21वीं सदी की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को आकार देने में भारत एक अहम भूमिका निभाएगा।' उन्होंने आगे कहा कि भारत ने 15 सालों में 40 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, जो यह दिखाता है कि एक बहुलवादी समाज, स्वतंत्रता और लोकतंत्र ही आर्थिक विकास, शांति और स्थिरता के वाहक हैं। उस यात्रा के दौरान हिंद-प्रशांत क्षेत्र चर्चा का मुख्य विषय रहा था। उन्होंने कुशल कर्मियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए 'प्रवासन और गतिशीलता समझौते' पर हस्ताक्षर किए थे। वह 2024 में जर्मनी-भारत के बीच सातवें अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) के लिए भारत आए चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ थीं। इसका मूलमंत्र था, 'नवाचार, गतिशीलता और स्थिरता के साथ मिलकर आगे बढ़ना।' जर्मनी जी-4 का सदस्य है। इस समूह में भारत के अलावा ब्राजील और जापान भी शामिल हैं। यह समूह सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यों को शामिल करके उसमें सुधार करने की वकालत करता है। ये चारों देश एक सुधारित सुरक्षा परिषद में स्थायी सीटों के लिए एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।

आरएसएस और भारत को लेकर अमेरिका में गलत धारणा', दत्तात्रेय होसबाले का बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि आरएसएस भारत की प्राचीन सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों से प्रेरित एक जन-आधारित स्वैच्छिक संगठन है। इसे आम तौर पर हिंदू संस्कृति के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बताया कि संगठन चरित्र, आत्मविश्वास और सेवा की भावना वाले स्वयंसेवक तैयार करने के लिए रोजाना और साप्ताहिक एक घंटे की साखाएं चलाता है। इनके माध्यम से जीवन मूल्य सिखाए जाते हैं और समाज के लिए इंसान को तैयार किया जाता है। इसके साथ ही संगठन प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्य भी करता है। संगठन से जुड़े स्वयंसेवकों ने 40 नागरिक संस्थाएं भी बनाई हैं। 'अमेरिका में आरएसएस और भारत को लेकर गलत धारणा' अमेरिकियों को आरएसएस के बारे में क्या गलतफहमी है, इस पर आरएसएस महासचिव होसबाले ने कहा, अमेरिकियों की गलतफहमी केवल आरएसएस के बारे में नहीं है। भारत के बारे में भी है। अमेरिका की गलतफहमी यह है कि यह (भारत) अधिक जनसंख्या वाला, झुग्गियों से भरा, गरीबी वाला देश है और इसे सांप-सपेरों, झुग्गियों और साधुओं की भूमि माना जाता है। जबकि भारत एक तकनीकी केंद्र भी है और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ये बातें आम अमेरिकी धारणा में कहीं न कहीं छूट जाती हैं। आरएसएस के बारे में भी जो धारणा बनाई गई है, चाहे जानबूझकर या अनजाने में या

किसी एजेंडे के हिस्से के रूप में, वह यह है कि आरएसएस हिंदू श्रेष्ठतावादी है और किसी तरह ईसाई-विरोधी, अल्पसंख्यक-विरोधी, महिलाओं के विकास का विरोधी और आधुनिकता का विरोधी है। जो सकारात्मक बातें हैं, वह हमेशा नहीं बताई जाती। 'हिंदुओं का श्रेष्ठता का स्वभाव नहीं' कार्यक्रम में उनसे सवाल किया गया कि इस विचार को कि आरएसएस एक हिंदू श्रेष्ठतावादी संगठन है, आप कैसे चुनौती देंगे, इस पर होसबाले ने कहा, हिंदू दर्शन और संस्कृति हमेशा खुद को दूसरों से अधिक श्रेष्ठ मानने की नहीं हैं। हम हर किसी में एक जैसे देखते हैं, चाहे वह सजीव हो या निर्जीव। जब यह हिंदुओं का मूल दर्शन है, तो हिंदुओं का श्रेष्ठता का स्वभाव नहीं हो सकता। इतिहास में, हिंदुओं ने कभी किसी देश पर आक्रमण नहीं किया या किसी को गुलाम नहीं बनाया। हिंदुओं के माफी मांगने के लिए कुछ नहीं है। 'सांस्कृतिक मूल्य और आधुनिकता एक-दूसरे के विपरीत नहीं' होसबाले ने कहा, आधुनिकता और सांस्कृतिक मूल्य साथ-साथ चल सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि सांस्कृतिक मूल्य और आधुनिकता एक-दूसरे के विपरीत दिशा में जाते हैं। सनातन का मतलब शाश्वतता है।

ट्रंप ने दवाओं की कीमतों में रिकॉर्ड कटौती का किया दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पर्चे वाली दवाओं की कीमतों को कम करने के लिए प्रमुख फार्मास्युटिकल कंपनियों के साथ व्यापक समझौतों की घोषणा की और इसे 'हमारे देश के इतिहास में दवाओं की कीमतों में सबसे बड़ी कटौती' बताया।

व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि प्रमुख कंपनियों में से एक रीजेनेरॉन, 'मोस्ट फेवर्ड नेशन' कीमतों पर दवाएं देने के लिए सहमत हो गई है। उन्होंने कहा, 'कीमतें ऐसे स्तर तक गिरेंगी, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।' उन्होंने कहा, 'इस घोषणा के साथ, दुनिया की 17 सबसे बड़ी फार्मास्युटिकल कंपनियाँ, जो ब्रांडेड दवाओं के बाजार के 80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करती हैं, अब अमेरिकी मरीजों को दुनिया में कहीं भी मिलने वाली सबसे कम कीमतों पर अपनी दवाएं बेचने के लिए सहमत हो गई हैं।' ट्रंप ने तर्क दिया कि अमेरिकी लंबे समय से अत्यधिक कीमतें चुकाते रहे हैं। उन्होंने कहा, 'दशकों से अमेरिकियों को पर्चे वाली दवाओं के लिए दुनिया में सबसे ज्यादा कीमतें चुकाने के लिए मजबूर किया गया है। स्वास्थ्य और मानव सेवा सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने इस कदम का समर्थन करते हुए इसे लंबे समय से जारी 'लूट' के खिलाफ कार्रवाई बताया।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका, जो 'दुनिया की आबादी का 4.2 प्रतिशत' है, फार्मास्युटिकल उद्योग के '75 प्रतिशत मुनाफे' का स्रोत रहा है। सेंटर्स फॉर मेडिकेयर एंड मेडिकेड सर्विसेज के प्रशासक मेहमत ओज़ ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दवाओं को सस्ता बनाना है। उन्होंने कहा, 'हर तीन में से एक अमेरिकी...अक्सर बिना दवा लिए ही लौट जाता है क्योंकि वह दवाएं खरीदने में सक्षम

नहीं होता। प्रशासन ने कुछ खास कीमतों में कटौती का भी उल्लेख किया, जिसमें एक कोलेस्ट्रॉल की दवा की कीमत '537 डॉलर से घटकर 225 डॉलर' और एक वजन घटाने की दवा की कीमत '1,350 डॉलर प्रति माह से घटकर 199 डॉलर प्रति माह तक' होने की बात कही गई। रीजेनेरॉन के सीईओ लियोनार्ड श्लाइफ़र ने कहा कि कंपनी वैश्विक मूल्य संतुलन के प्रयासों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा, 'हमें यहां आने के लिए मजबूर नहीं किया गया। हम यहां आकर खुश हैं क्योंकि यह दवाओं की कीमतें कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी ने एक दुर्लभ प्रकार के बहरापन के लिए जीन थेरेपी की भी घोषणा की, जिसे पात्र बच्चों को कुछ समय तक मुफ्त प्रदान किया जाएगा। जॉर्ज यानकोपोलोस ने इस उपचार को 'अपने तरह की पहली जीन थेरेपी... जिससे ट्रैविस अब अपनी माँ की आवाज सुन सकता है' बताया। सिएरा स्मिथ, जिनके दो साल के बेटे को यह थेरेपी दी गई, ने इस परिणाम को 'बेहद अद्भुत' बताया और कहा, 'अब वह सुन सकता है... यह जीवन बदल देने वाला है। वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक ने कहा कि यह नीति घरेलू विनिर्माण से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, 'इसका मतलब है कि 448 अरब डॉलर का दवा निर्माण अमेरिका में आएगा।' व्हाइट हाउस ने कहा कि ये समझौते अब ब्रांडेड फार्मास्युटिकल बाजार के लगभग 86 प्रतिशत हिस्से को कवर करते हैं और आगे भी बातचीत जारी है।

पौधे को कैसे होता है पुष्पित होने का एहसास

वैज्ञानिकों ने अंततः 80 साल पुरानी एक पहेली को हल करने का दावा किया है कि पौधों को यह बात कैसे पता चलती है कि उन्हें कब पुष्पित होना है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह उनके जीन्स में होता है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के एक दल के अनुसार फूल खिलने की प्रक्रिया किसी पौधे के पुष्पित पल्लवित होने के लिए महत्वपूर्ण होती है और इसके उचित समय का पता लगाने में आणविक घटनाक्रमों का सिलसिला होता है। जिसमें पौधे की जैविक घड़ी और धूप शामिल है। दल का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर ताकातो इमाइजुमी ने कहा कि अरबीडोप्सिस नामक अध्ययन में यह समक्षने का प्रयास किया गया कि किसी सामान्य पौधे में फूलों के खिलने का काम कैसे होता है। इससे यह समक्षने में बेहतरी होगी कि धान, गेहूं और जौ जैसी फसलों के तौर पर उगे और जटिल पौधों में ये ही जीन्स किस तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा, यदि हम फूल उगने के समय को नियमित कर सकते हैं तो इसे बढ़ाकर या इसमें देरी कर उपज बढ़ाने में सक्षम हो सकते हैं। प्रणाली को समझने से हमें इसमें बदलाव की सहजता होती है। साल में विशेष समयों पर पौधों के पुष्पित होते समय उनकी पत्तियों में फ्लोवरिंग लोकस टी नामक प्रोटीन बनता है जो इस प्रक्रिया को प्रेरित करता है। यह प्रोटीन पत्तियों से शूट एपेक्स में पहुंचता है जो पौधे का वह हिस्सा है जहां कोशिकाएं एक जैसी होती हैं। इसका मतलब है कि ये कोशिकाएं पत्तियां या फूल बन सकती हैं। इस शूट एपेक्स में प्रोटीन में आणविक बदलाव होते हैं जो कोशिकाओं को फूल बनने की दिशा में बढ़ाते हैं।

क्या तुम्हें पता है कि हम इनसानों की तरह ही पेड़-पौधे भी आपस में बातें करते हैं! वो हमारी बात समझ सकते हैं। पेड़-पौधों को म्यूजिक सुनना भी पसंद है। वैज्ञानिक शोध में भी यह बात सामने आई है कि पेड़, फूलों के माध्यम से बातचीत करते हैं। पेड़ों के कम्युनिकेशन से जुड़ी कुछ मजेदार बातें

फूल और पौधे भी करते हैं बातें

हमने भारत के महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस का नाम सुना है न। उन्होंने ही सबसे पहले यह बात बताई थी कि पौधे यानी प्लांट भी संवेदनशील होते हैं और जब कोई उन्हें प्यार करता है, तो वे महसूस करते हैं। उन्हें भी अच्छा संगीत प्रभावित करता है। और पता है? पौधे न सिर्फ किसी चीज को महसूस करते हैं, बल्कि अपनी बात कहते हैं। लेकिन बोल कर नहीं, कुछ दूसरे तरीकों से। वे हमारी तरह ही एक्टिव रहते हैं। वे खतरे को भांप कर अपनी रक्षा के उपाय भी करते हैं। अपने साथी पौधों को इसकी सूचना भी देते हैं। ये कोई कल्पना भर नहीं है, बल्कि इसे लेकर कई रिसर्च हुए हैं और उनसे ये बातें पता चली हैं। आज हम तुम्हें पौधों के बारे में कुछ ऐसी ही दिलचस्प बातें बता रहे हैं।

अपनी रक्षा के लिए आवाज लगाते हैं पौधे

फूल-पौधे कई बार अपनी सुगंध के जरिये अपनी रक्षा के लिए मदद मांगते हैं। जब कोई कीट पत्तियों, डालियों, फूलों को खा रहा होता है, तो अपनी महक के जरिये पौधे अपने मददगार इन्सेक्ट को आकर्षित करते हैं। ये इन्सेक्ट महक से आकर्षित होकर पौधे के पास आते हैं और उसे नुकसान पहुंचाने वाले कीटों (पेस्ट्स) को खा जाते हैं। जैसे कि तंबाकू का पौधा अपने सलाइवा की मदद से हॉर्नवर्म के कैटरपिलर को पहचान लेता है और फिर एक केमिकल सिग्नल छोड़ता है, जो कैटरपिलर के दुश्मन को आकर्षित करता है। फिर कुछ ही घंटों में कैटरपिलर का दुश्मन इन्सेक्ट यानी कीट पौधे के पास आ जाता है और उसे कैटरपिलर से छुटकारा दिला देता है।

खतरे को देख अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं पौधे

पता है, पौधे अपने आसपास के पौधों के केमिकल सिग्नल्स को समझ सकते हैं और कई बार दूसरे पौधों पर कोई खतरा मंडराता है, तब उस सिग्नल को देख अपनी सुरक्षा को बढ़ा देते हैं, क्योंकि उन्हें पता चल जाता है कि कोई भूखा इन्सेक्ट आसपास ही है।

करीब पांच-छह साल पहले 48 स्टडी का विश्लेषण किया गया था, जिनमें यह बात पता चली कि पौधे अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं, जब उनके आसपास के पौधों को नुकसान पहुंचता है। जैसे कि जब सेजब्रश को हॉर्नवर्म नुकसान पहुंचाता है, तो वह अपनी सुरक्षा में ट्रिप्सीन प्रोटीनेज इन्हिबिटर्स (टीपीआईज) प्रोटीन रिलीज करता है। टीपीआईज इन्सेक्ट को प्रोटीन डाइजेस्ट करने से रोक देते हैं और इन्सेक्ट की ग्रोथ को भी रोक देते हैं। जब आसपास के पौधे, यहां तक कि दूसरी प्रजाति के पौधे, सेजब्रश के नुकसान को भांप लेते हैं तो अपनी सुरक्षा की तैयारी कर लेते हैं।

एक-दूसरे से मुकाबला करते हैं पौधे

तुम्हें पता है! पौधे सूरज की रोशनी, अपनी पोजीशन के लिए आसपास के पौधों के साथ धक्कामुक्की भी करते हैं। यह बात अलग है कि ऐसा वे अपने तरीके से करते हैं। एक झगड़ालू प्लांट है नैपवीड। नैपवीड की जड़ें एक खास किस्म का केमिकल रिलीज करती हैं, जो उसे मिट्टी से पोषक तत्व प्राप्त करने में मदद करता है। साथ ही वो केमिकल नैपवीड के आसपास की देसी घास को भी खत्म कर देता है। इस तरह नैपवीड अपने आसपास की जगह हथिया लेता है। है न यह स्वार्थी और बदमाश पौधा! लेकिन कुछ प्लांट स्मार्ट भी होते हैं और इस केमिकल के खिलाफ सुरक्षा कवच बना लेते हैं। ल्यूपिन की जड़ें ऑक्जेलिक एसिड निकालती हैं, जो नैपवीड द्वारा रिलीज किए जाने वाले नुकसानदायक केमिकल के खिलाफ एक बैरिकेड बना देती है। यहां तक कि ल्यूपिन आसपास के पौधों की भी नैपवीड जैसे आक्रामक पौधों से रक्षा करता है।

अपने सहोदर को पहचानते हैं पौधे

जब किसी पौधे के पास दूसरा कोई पौधा या पौधे उग रहे होते हैं, तो वह उसे महसूस कर सकता है। जानवरों की तरह उनमें भी अपने सहोदर को पहचानने और मदद करने की प्रवृत्ति होती है। वे सूरज की रोशनी और दूसरी चीजों को हासिल करने में एक-दूसरे की मदद करते हैं और जब कोई दूसरा पौधा उनके ऊपर छाने लगता है, तो वे भी और बढ़ने लगते हैं।

एक पौधा है 'सी रॉकेट'। उसके साथ एक प्रयोग किया गया। जब उसे एक गमले में अपने 'सिबलिंग' के साथ उगाया गया, तो उसकी जड़ें कम फैलीं। जब उसे 'अपरिचित पौधों' के साथ दूसरे गमले में उगाया गया, तो उसने अपनी जड़ें ज्यादा फैला लीं, ताकि वह मिट्टी से अपने लिए पोषक तत्व ज्यादा ले सके, सूरज की रोशनी ज्यादा ले सके। यानी जब पौधे अपने सिबलिंग के साथ उगते हैं, तो एक-दूसरे की जरूरतों का ज्यादा ध्यान रखते हैं। एक और एक्सपेरिमेंट से यह पता चला कि पौधे अपने सिबलिंग को केमिकल सिगनल के जरिये पहचानते हैं।

मैमल्स के साथ भी संपर्क करते हैं पौधे

पौधे केवल इनसेक्ट को ही आकर्षित नहीं करते, चमगादड़ जैसे मैमल्स को संदेश भेज कर अपने पास बुला लेते हैं। एक मांसाहारी पिचर प्लांट है- नेपेंथेस हेम्सलेना। उसके पास चमगादड़ (बैट) को आकर्षित करने का एक अनूठा सिस्टम है। इस प्लांट का आकार कटोरे या घड़े जैसा होता है। एक नई स्टडी के मुताबिक, इस प्लांट का स्ट्रक्चर ऐसा होता है कि उसके कारण चमगादड़ उसके पास खिंचे चले आते हैं और अपने मल-मूत्र के जरिये इस पिचर प्लांट को पोषक तत्व प्रदान करते हैं।

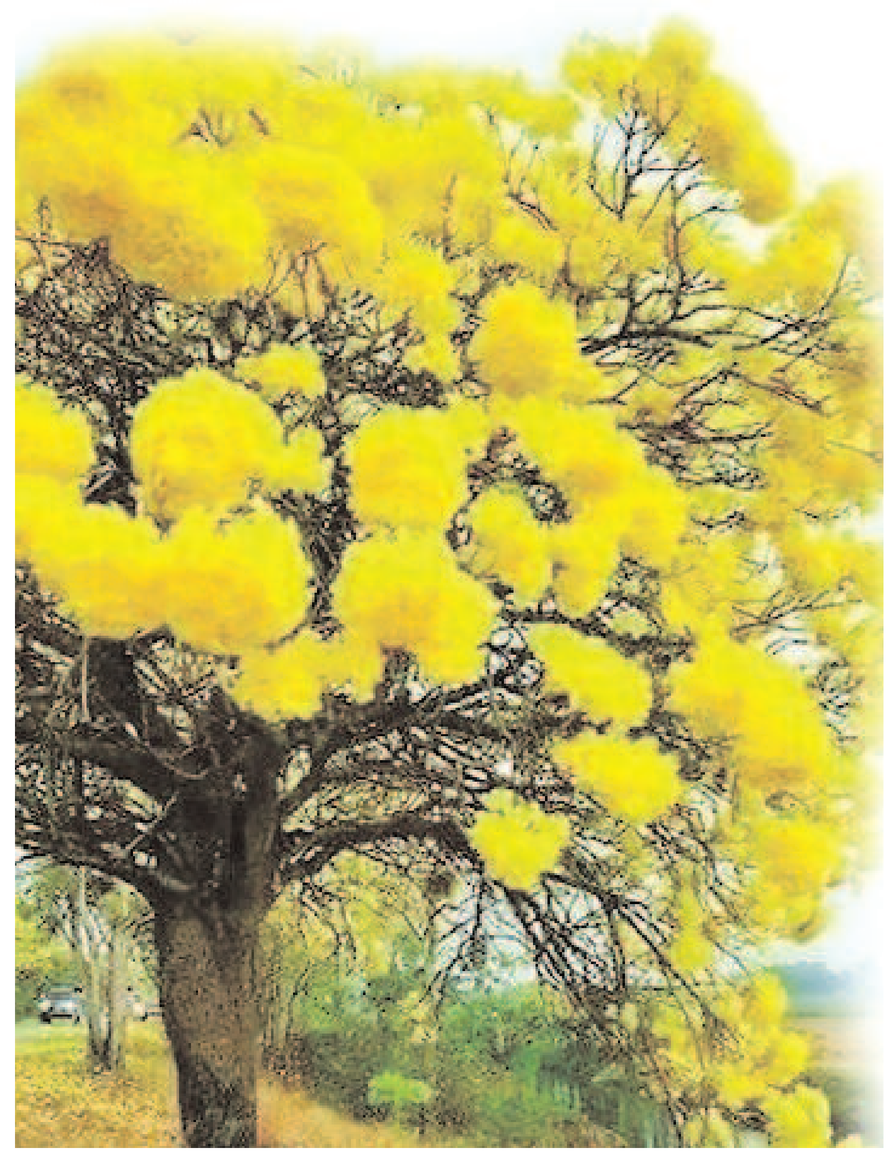

कितने तरह की स्केटिंग

रोलर स्केटिंग, आइस स्केटिंग, इन लेन स्केटिंग। रोलर स्केटिंग का भारत में बहुत चलन है। इसे सीखना आसान है।

स्केटिंग करो फिट रहो

स्केटिंग उतनी ही आसान और सुरक्षित है जितना कि दूसरे गेम खेलना, जैसे साइकिल चलाना, बास्केटबॉल या अन्य गेम खेलना। आजकल बहुत से स्कूलों में स्केटिंग सिखाई जाती है।

स्केटिंग केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है, बल्कि तुम इसे अपना कॅरियर भी बना सकते हो। स्केटिंग के भारत में बहुत से प्रक्षिशण केंद्र हैं, जो बच्चों को चुनकर उन्हें दूसरे देशों में चैम्पियनशिप के लिए भेजते हैं। लेकिन ये सब बातें करने से पहले यह जानो कि स्केटिंग के क्या फायदे हैं - स्केटिंग एक ऐसी व्यायाम की मशीन है, जिसको करने से तुमको मजा भी आता है और चुस्त और स्वस्थ रहते हो। पैरों की ताकत बढ़ती है। शरीर की सभी मसल्स की एक्सरसाइज हो जाती है।

रीढ़ की हड्डी भी सही रहती है।

हाथों और पैरों का सामंजस्य बनाए रखने में मदद मिलती है। दिमाग और समझने की क्षमता बढ़ती है। चौकन्ना रहकर सीखते हो।

स्केटिंग करना भागना और साइकिल चलाने से अधिक फायदेमंद है। तुमको सब बच्चों से मिलने का और बात करने का मौका मिलता है और नई जानकारी मिलती है।

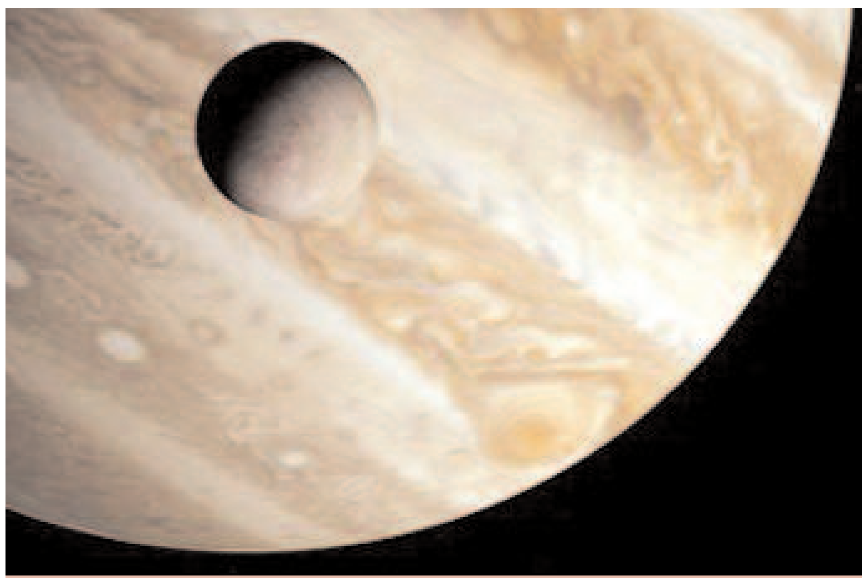

वृहस्पति का नया चंद्रमा!

दोस्तों, तुम्हें तो पता ही होगा कि वृहस्पति के पास सबसे अधिक उपग्रह हैं। अब ताजा खबर यह है कि वैज्ञानिकों ने इसका एक और नया उपग्रह खोज निकालने का दावा किया है। इसे वृहस्पति का 17वां उपग्रह माना जा रहा है। दरअसल, पिछले साल अरीजोना यूनिवर्सिटी और मैसाचुसेट्स के वैज्ञानिकों ने वृहस्पति के चारों ओर एक आकृति को चक्कर काटते देखा था। फिर स्पेसवॉच कार्यक्रम के तहत धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों को स्कैन कर दिया गया। जब उन्होंने इस नए उपग्रह को देखा तो उन्हें लगा कि यह या तो कोई क्षुद्रग्रह है या कोई धूमकेतु।

(क्षुद्रग्रह बर्फ और धुएं का छोटा सा हिस्सा होता है और सूर्य के चारों तरफ घूमता रहता है। जब यह सूर्य के पास पहुंचता है तो यह धूमकेतु वाष्पीकृत होकर सिर और पूंछ में तब्दील हो जाता है। सौर मंडल में क्षुद्रग्रह मंगल और बृहस्पति के बीच बड़े पैमाने पर पाए जाते हैं।)

वैज्ञानिकों ने इस बात पर विचार किया कि जो यह नई चीज दिखाई दे रही है, वह अगर क्षुद्रग्रह और धूमकेतु नहीं है तो आखिर क्या है? वैज्ञानिक इस बात को लेकर बड़ी उलझन में थे। वे सोच रहे थे कि हमने जो पिछले महीने ऑर्बिट में देखा था, वह आखिर क्या था? (सौर मंडल में ऑर्बिट एक ऐसा रास्ता है, जिसमें एक वस्तु दूसरी वस्तु के चारों ओर घूमती है। ऑर्बिट में हर चीज अपने आप में खास होती है।) वैज्ञानिकों ने पाया कि वृहस्पति ग्रह के चारों ओर घूमने वाला यह नया उपग्रह है, जो पहले नहीं देखा जा सका था। यही वजह है कि वैज्ञानिकों ने इस उपग्रह के लिए कोई खास नाम नहीं रखा है। फिलहाल इसे एस/1999 जे नाम से पुकारा जा रहा है।

नए पाए गए उपग्रह का व्यास 5 किमी है। इसका मतलब यह है कि इस उपग्रह के एक छोर से दूसरे छोर तक पैदल चलने में केवल 5 किमी का सफर करना होगा। इस तरह देखा जाए तो यह वृहस्पति ग्रह का सबसे छोटा उपग्रह है। केवल वृहस्पति का ही नहीं, बल्कि इस सौर मंडल का यह सबसे छोटा उपग्रह होगा। इस उपग्रह के पाए जाने से पहले वृहस्पति का जो सबसे छोटा उपग्रह था, उसका नाम लेडा था। लेडा का व्यास 8 से 16 किमी तक था। अगर तुम ध्यान से देखोगे तो यह देखोगे कि इससे पहले भी वृहस्पति के उपग्रहों में हलचल दिखाई दी है। कुछ दिनों पहले वृहस्पति का सबसे बड़ा उपग्रह भी खोजा गया था। सबसे बड़े उपग्रह ने बहुत हलचल मचाई। यह उपग्रह हमारे सौर मंडल में पाया जाने वाला अकेला उपग्रह है, जहां धरती की तुलना में ज्वालामुखी गुण कहीं ज्यादा पाए जाते हैं। हम सभी यह जानते हैं कि यह वृहस्पति का आखिरी उपग्रह नहीं है। यह उपग्रह अपने अंदर बहुत से रहस्य समेटे हुए है, जो वक्त के साथ खोजने पर सामने आएंगे।

हमारा चांद सबसे अनूठा

हमारे पास यानी पृथ्वी के पास एक ही चांद है, जिसे हम चंदा मामा कहते हैं। अपने सौरमंडल का सबसे चमकीला है अपना चंद्रमा। तुम्हें तो मालूम ही है कि हमारे और सूर्य के बीच में दो और ग्रह हैं। सूर्य के सबसे करीब बुध है और दूसरे स्थान पर शुक्र। हम तीसरे स्थान पर हैं। बुध और शुक्र के पास कोई चंद्रमा नहीं है, लेकिन हमारे पास एक चंद्रमा है। उस पर सूर्य की रोशनी पड़ती है और वह चमकता रहता है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि हम कभी भी पूरे चांद को नहीं देख पाते। हमेशा उसका एक ही हिस्सा हम देख पाते हैं। जानते हो ऐसा क्यों होता है? ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जितने समय में वह हमारी पृथ्वी का एक चक्कर लगाता है, उतने ही समय में अपनी धुरी पर भी एक चक्कर लगा लेता है। इस कारण हमें उसका एक ही हिस्सा दिखता है और दूसरा हिस्सा हमेशा अंधेरे में रहता है। चांद को पृथ्वी का एक चक्कर लगाने में लगभग 27 दिन 7 घंटे और 43 मिनट का समय लग जाता है। यह हमारी पृथ्वी से काफी करीब भी है। पृथ्वी से इसकी औसत दूरी लगभग 3 लाख 84 हजार 400 किलोमीटर है। यानी पृथ्वी से चंद्रमा की दूरी कभी कम और कभी अधिक हो जाती है। जब चंद्रमा पृथ्वी से दूर होता है, उस समय यह दूरी लगभग 4 लाख 5 हजार 500 किलोमीटर होती है और जब चंद्रमा पृथ्वी के करीब आ जाता है तो दोनों के बीच की दूरी 3 लाख 56 हजार 300 किलोमीटर हो जाती है। शायद तुम्हें यह मालूम नहीं होगा कि समुद्र में बड़ी-बड़ी लहरें कब और क्यों उठती हैं। यह अपने चंद्रमा के कारण ही होता है। जब चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी कम होती है तो समुद्र में ऐसी लहरें उठती हैं। इसका कारण है चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल। वैसे तो यह बल पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण बल के छठे हिस्से के बराबर है, लेकिन समुद्र के पानी पर उसका असर हो ही जाता है। अगर तुम वहां जाना चाहो तो रॉकेट से सिर्फ 13 घंटे में पहुंच सकते हैं। प्रकाश को तो इतनी दूरी तय करने में दो सेकेंड भी नहीं लगते हैं। चंद्रमा का व्यास 3476 किलोमीटर है। अगर तुम ऐसे चार चंद्रमाओं को मिला दोगे तो जितना बड़ा चंद्रमा बनेगा, उतनी ही बड़ी है हमारी पृथ्वी। यानी हमारी पृथ्वी का लगभग एक चौथाई आकार है चंद्रमा का। यहां न तो हवा है और न ही मौसम। वैज्ञानिकों ने यह भी पता लगा लिया है कि पृथ्वी की एक बड़ी टक्कर से चंद्रमा बना। यह टक्कर आज से लगभग 4.5 अरब वर्ष पहले हुई थी।

जिला चिकित्सालय में विश्व मलेरिया दिवस पर आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर शनिवार को जिला चिकित्सालय गोपेश्वर के तीमारदार प्रतीक्षालय में जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मलेरिया जैसी घातक बीमारी की रोकथाम हेतु जनसामान्य को जागरूक करना एवं समय रहते उपचार के लिए प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य शिक्षा संचार प्रबंधक उदय सिंह रावत ने जानकारी देते हुए बताया कि मलेरिया एक जानलेवा बीमारी है, जो संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलती है। बताया कि मादा एनाफिलीज मच्छर अपनी लार के माध्यम से प्लाज्मोडियम परजीवी को मानव शरीर में पहुंचाती हैं, जिससे मलेरिया होता है। उन्होंने मलेरिया के लक्षणों के बारे में बताते हुए कहा कि ठंड लगकर तेज बुखार आना, बुखार उतरते समय अधिक पसीना आना, सिर दर्द, जी मिचलाना, कमजोरी एवं भूख न लगना इसके प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल मलेरिया की जांच कराने तथा चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की गई। उन्होंने बताया कि मलेरिया की जांच एवं उपचार सभी सरकारी चिकित्सालयों में निःशुल्क उपलब्ध है। रोकथाम के उपायों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि घर के आसपास पानी जमा न होने दें, गड्ढों में मिट्टी भरें, पानी के बर्तनों एवं टंकियों को ढककर रखें तथा नालियों की नियमित सफाई करें। इसके अलावा, खिड़की-दरवाजों पर जाली लगाएं और सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग अवश्य करें। कार्यक्रम में जिला डाटा मैनेजर (आईडीएसपी) आशीष सती सहित अन्य उपस्थित जनों ने भी मलेरिया उन्मूलन के लिए जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया।

एक मई को खुलेंगे लाटू देवता मंदिर के कपाट, मेला लगेगा

चमोली। वाण में सिद्धपीठ लाटू देवता मंदिर के कपाट खुलने के अवसर पर एक मई से दो दिवसीय धार्मिक पर्यटन एवं सांस्कृतिक मेले का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के कपाट एक मई को दोपहर करीब एक बजे वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। इस मौके पर श्री लाटू देवता पर्यटन सांस्कृतिक मेले का आयोजन होगा। सांस्कृतिक समारोह में जागर, भजन, झोड़ा व चांचड़ी की प्रस्तुति दी जाएगी। लोक गायक सौरभ मैठाणी, विवेक नौटियाल, वीरु जोशी, कुंदन बिष्ट, मोनिका, देवराज आगरी व कुंवर नेगी प्रस्तुतियां देंगे। लाटू मंदिर समिति के अध्यक्ष कृष्णा बिष्ट और मेला संरक्षक कृष्णा सिंह ने बताया कि मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

हाईस्कूल 1.79% और इंटर 1.54% बढ़ा रिजल्ट

– मेरिट सूची में स्थान बनाकर मेधावियों ने बढ़ाया जिले व अभिभावकों का मान

नई टिहरी। टिहरी जिले के होनहार छात्र–छात्राओं ने उत्तराखंड बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा की मेरिट सूची में स्थान बनाकर जिले, अभिभावकों और शिक्षकों का मान बढ़ाया है। पिछले वर्ष की तुलना में हाईस्कूल के परीक्षा परिणाम में 1.79 प्रतिशत और इंटर में 1.54 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस बार हाईस्कूल का कुल परीक्षा परिणाम 93.79 प्रतिशत और इंटर का 89.92 प्रतिशत रहा। मुख्य शिक्षा अधिकारी कमला बड़वाल ने बताया कि इस वर्ष हाईस्कूल परीक्षा में 6746 और इंटरमीडिएट में 6105 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि निजी विद्यालयों के छात्र–छात्राएं मेरिट सूची में अधिक स्थान बनाने में सफल रहे, जबकि सरकारी विद्यालय अपेक्षाकृत कुछ पीछे रहे। बताया कि पिछले वर्ष हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 92 प्रतिशत था, जो इस बार बढ़कर 93.79 प्रतिशत हो गया है। वहीं इंटर का परिणाम 88.38 प्रतिशत से बढ़कर इस वर्ष 89.92 प्रतिशत पहुंचा है। उन्होंने कहा कि परीक्षा परिणाम की विस्तृत समीक्षा आगामी दिनों में की जाएगी। शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है।

हाईस्कूल के सभी पेपरों में शामिल हुई छात्रा की अंकतालिका खाली

नई टिहरी(आरएनएस)। उत्तराखंड की बोर्ड परीक्षा के मूल्यांकन में गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है। बोर्ड की लापरवाही इस कदर सामने आई है कि बोर्ड परीक्षा के सभी पेपरों में शामिल छात्रा को पांच विषय में से एक भी विषय में कोई अंक नहीं दिए गए हैं जिससे उसका परीक्षा परिणाम अपूर्ण बताया गया है। इसी तरह गणित विषय में भी छात्रों को बहुत कम अंक दिए गए हैं। छात्रों और अभिभावकों ने बोर्ड की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए परीक्षा परिणाम में सुधार करने की मांग की है। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा का लाखों छात्र–छात्राओं को बेसब्री से इंतजार था। 25 अप्रैल को परीक्षा परिणाम जारी होने पर अधिकतर छात्र–छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है लेकिन जाखणीधार ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय लामरीधार के हाईस्कूल के कई छात्रों की खुशियों पर बोर्ड ने पानी फेर दिया है। प्रधानाध्यापक विनोद मलासी ने बताया कि स्कूल के प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं तब निराशा हाथ लगी जब उन्हें बोर्ड की लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ा है। उन्होंने बताया कि स्कूल की रश्मि पुत्री जगत लाल ने बोर्ड परीक्षा के सभी पेपरों में शामिल हुई लेकिन अंक पत्र में उसे किसी भी विषय में कोई अंक नहीं दिए गए हैं।

तंगहाली हार गई और तृप्ति जीत गई

चमोली। बचपन में पिता का साया सिर से उठ गया। आर्थिक तंगी से जूझते हुए मां ने संविदा पर माली का काम करते हुए बच्चों को पढ़ाया। पढ़ाई के साथ घर का काम करते हुए होनहार बिटिया तृप्ति डिमरी ने 12वीं की परीक्षा में टॉप कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया।

ज्योतिर्मठ के रविग्राम की तृप्ति ने उत्तराखंड बोर्ड की 12वीं परीक्षा में 476 अंक हासिल किए। प्रदेश की मेरिट सूची में 11वां और जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए तृप्ति ने परिवार से लेकर विद्यालय तक सभी के चेहरे पर खुशी ला दी।

नंदासैंण बाजार में आपूर्ति बाधित, पेयजल संकट विकट

चमोली। नंदासैंण बाजार में इन दिनों पेयजल संकट गहराता जा रहा है। गर्मियों की शुरुआत के साथ ही पानी की पर्याप्त आपूर्ति न होने के कारण व्यापारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा असर होटल और फास्टफूड व्यवसाय से जुड़े लोगों पर पड़ रहा है। नंदासैंण बाजार में करीब 100 से अधिक व्यापारी हैं। इनमें करीब 20 होटल और अन्य फास्टफूड बनाते हैं। मगर एक सप्ताह से यहां पेयजल आपूर्ति अनियमित है। व्यवसायी प्रदीप चौहान का कहना है कि दिन में दो बार पानी की सप्लाई होने के बावजूद वह जरूरत पूरा नहीं हो रही है। कई बार आधे से ज्यादा दिन तक पानी की सप्लाई नहीं हो पाती। इस कारण पानी के लिए 2 से 3 किमी दूर अन्य स्त्रोतों पर जाना पड़ता है। वहीं होटल व्यवसायी दर्शन सिंह नेगी का कहना है कि पानी की समस्या के समाधान के लिए कोई योजना नहीं बन पा रही है। आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन के बार–बार टूटने, लीकेज के कारण पानी की आपूर्ति बाधित हो रही है। वहीं पेयजल निगम के जेई सचिन पंवार ने बताया कि उक्त लाइन की देखरेख ग्राम पंचायत के अधीन है।

कार्यालय, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।

उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग

पत्रांकः- 1148/18ए0सी0 दिनांकः- 24/04/2026

निविदा सूचना

माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु सील्ड निविदा दि0 09/05/2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 02/05/2026 से 08/05/2026 तक किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित कार्यालयों से प्राप्त किये जा सकते है तथा दिनांक 09/05/2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक इन्हीं कार्यालयों में डाले जा सकते हैं :

1- अधीक्षण अभियन्ता, 12वां वृत्त, लो0नि0वि0, पौड़ी। 2- अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा।
3- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लैन्सडौन। 4- अधिशासी अभियन्ता, अस्थाई खण्ड, लो0नि0वि0, ऋषिकेश।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	निविदा की वैधता	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारों की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड यमकेश्वर के मुख्यालय धारकोट के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0 एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-धारकोट)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
2	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड दुगड्डा के मुख्यालय पौखाल के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-पौखाल)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
3	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड दुगड्डा के मुख्यालय दुगड्डा के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
4	सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-दुगड्डा) दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड दुगड्डा के मुख्यालय रामणी के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-रामणी)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
5	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड यमकेश्वर के मुख्यालय घट्टूगाड के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-घट्टूगाड)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
6	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड द्वारीखाल के मुख्यालय डाडामण्डी के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-डाडामण्डी)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
7	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड यमकेश्वर के मुख्यालय लक्ष्मणझूला के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-लक्ष्मणझूला)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
8	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड यमकेश्वर के मुख्यालय काण्डी के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-काण्डी)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
9	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड रिखणीखाल के मुख्यालय रथुवाढाब के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-रथुवाढाब)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
10	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड रिखणीखाल के मुख्यालय बसड़ा के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator tyre back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-बसड़ा)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
11	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड दुगड्डा के मुख्यालय कोटद्वार के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-कोटद्वार)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
12	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड यमकेश्वर के मुख्यालय गरूड़चट्टी के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-गरूड़चट्टी)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
13	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड यमकेश्वर के मुख्यालय पीपलकोटी के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-पीपलकोटी)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
14	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड यमकेश्वर के मुख्यालय बनचुरी के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-बनचुरी)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
15	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड यमकेश्वर के मुख्यालय काण्डाखाल के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-काण्डाखाल)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।
16	दैवीय आपदा वर्ष 2026-27 के अन्तर्गत विकास खण्ड जयहरीखाल के मुख्यालय सैन्धीखाल के समीपवर्ती मार्गो को यातायात खोलने हेतु supply of excavator cum back hoe loader tyre mounted जैसे जे0सी0बी0, टाटा एल0एण्डटी0/स्लिप सफाई मशीन द्वारा स्लिप सफाई का कार्य। (मशीन का मुख्यालय-सैन्धीखाल)	13,500.00	500.00+ जी0एस0टी0	45 दिन	04 माह	मार्ग कार्य में श्रेणी डी0 एवं उच्चतर।

निविदा दिनांक 11/05/2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, दुगड्डा में कार्यालय में खोली जायेगी। अन्य शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ देखी जा सकेगी। किसी भी निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित होगा।

(इं0 निर्भय सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0
दुगड्डा (गढ़वाल)

(0130/53)

दिल्ली कैपिटल्स नहीं तोड़ पाई पंजाब किंग्स का तिलिस्म, श्रेयस अय्यर की टीम ने रचा इतिहास, सबसे बड़ी रन चेज को दिया अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी दिल्ली कैपिटल्स पंजाब किंग्स का तिलिस्म नहीं तोड़ पाई। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली पंजाब किंग्स ने दिल्ली के खिलाफ 265 रनों का टारगेट हासिल कर इतिहास रच दिया है। पंजाब कि टीम अब सिर्फ आईपीएल में ही नहीं बल्कि टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे बड़ा टारगेट चेज करने वाली टीम बन गई है। इस दौरान पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर ने धमाकेदार पारी खेली।

इस दौरान प्रभसिमरन सिंह ने 26 गेंदों पर 76 रनों की धमाकेदार पारी खेली तो अय्यर ने 36 गेंदों में नाबाद 71 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच खेले गए इस मुकाबले में कुल 529 रन बने जो आईपीएल इतिहास में एक मैच में दोनों टीमों द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है।

इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के लिए केएल राहुल ने 152 रनों की नाबाद पारी खेली और टीम को 264 के स्कोर तक पहुंचाया। ये राहुल के आईपीएल करियर का छठा शतक था। राहुल आईपीएल के इतिहास में बतौर भारतीय 150 रन बनाने वाले पहले भारतीय बने। वहीं दूसरी तरफ नीतिश राणा का दिल टूटा। वह शतक के करीब पहुंचे, मगर पूरा नहीं कर पाए। राणा 91 के निजी स्कोर पर आउट हुए।

DC vs PBKS मैच के दौरान बड़ा हादसा, लुंगी एनगिडी सिर के बल बुरी तरह गिरे, मैदान पर बुलानी पड़ी एम्बुलेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुण जेटली स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ कैच लेते समय लुंगी एनगिडी सिर पर जोरदार गिर पड़े जिस कारण माहौल गंभीर हो गया और एनगिडी को अस्पताल ले जाने के लिए मैदान पर एम्बुलेंस बुलानी पड़ गई।

पंजाब किंग्स जब 265 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी तो 2.3 ओवर में कैच लेने की कोशिश में एनगिडी बुरी तरह गिर पड़े। एनगिडी ने प्रियांश आर्य के बल्ले से निकली एक ऊंची गेंद को पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह गेंद का अंदाजा ठीक से नहीं लगा पाए और जमीन पर गिर पड़े; उनके सिर का पिछला हिस्सा जोर से जमीन पर लगा।

गिरने की गंभीरता तुरंत बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ उनकी ओर दौड़ पड़े; इस घटना से कई लोग साफ तौर पर घबराए हुए दिख रहे थे। कुलदीप यादव, डेविड मिलर और अन्य खिलाड़ी पास ही खड़े थे और उनके चेहरों पर चिंता साफ झलक रही थी, जबकि फिजियो इस दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज का इलाज करने के लिए दौड़ते हुए मैदान पर पहुंचे।

मेडिकल स्टाफ ने तुरंत एनगिडी के गले में नेक ब्रेस (गले का पट्टा) पहना दिया, और मैदान पर स्ट्रेचर लाया गया; इसके तुरंत बाद एक एम्बुलेंस भी आ गई, जो चोट की गंभीरता का साफ संकेत था। एक शुरुआती सकारात्मक संकेत के तौर पर, लाइव विजुअल्स में एनगिडी इलाज के दौरान डॉक्टरों से बात करते हुए दिखे, जबकि सभी जरूरी सावधानियां बरती जा रही थीं।

जैसे-जैसे स्थिति सामने आ रही थी, पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग भी मैदान पर आ गए, जबकि दुश्मंथा चमीरा संभावित %कनकशन सब्स्टीट्यूट% (चोट लगने पर बदलने वाले खिलाड़ी) के तौर पर वार्म-अप करने लगे। मैदान के बीच में कई तनावपूर्ण मिनटों के बाद एनगिडी को सावधानीपूर्वक स्ट्रेचर पर लेटाकर मैदान से बाहर ले जाया गया और आगे की मेडिकल जांच के लिए एम्बुलेंस में अस्पताल भेजा गया।

अभिषेक शर्मा की वृंदावन में चप्पल चोरी, भड़के भारतीय बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से गेंदबाजों के छक्के छुड़ा रहे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ वृंदावन में एक अजीबोगरीब घटना हो गई। अपनी मां के साथ बांके बिहारी मंदिर दर्शन करने गए अभिषेक की चप्पलें मंदिर परिसर से गायब हो गईं, जिससे वह काफी नाराज और परेशान नजर आए। यह घटना एक प्रशंसक द्वारा बनाए गए वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह वीडियो इसी आईपीएल सीजन का है या पहले का।

जानकारी के अनुसार, अभिषेक शर्मा अपनी मां के साथ भगवान बांके बिहारी जी के दर्शन करने पहुंचे थे। जब वह पूजा-अर्चना के बाद मंदिर से बाहर निकले, तो जहां उन्होंने अपनी चप्पलें उतारी थीं, वे वहां नहीं मिलीं। वीडियो में सनराइजर्स के इस विस्फोटक सलामी बल्लेबाज को मंदिर के बाहर इधर-उधर अपनी चप्पलों की तलाश करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो बनाने वाले प्रशंसक ने इसमें पीछे से कमेंट्री करते हुए पूरे वाकये को बयां किया। उसने कहा कि अभिषेक शर्मा और उनकी माताजी की चप्पलें भीड़भाड़ के कारण कहीं इधर-उधर हो गई हैं और लाख तलाशने के बावजूद नहीं मिल रही हैं। इस घटना से भारतीय बल्लेबाज अभिषेक काफी नाराज और परेशान दिखे, क्योंकि उन्हें नंगे पैर ही रहना पड़ रहा था। प्रशंसक ने आगे बताया कि किसी ने जानबूझकर अभिषेक शर्मा की चप्पलें गायब नहीं की थीं, बल्कि अत्यधिक भीड़ के कारण वे अपनी जगह से हट गई थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, मंदिर प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया और अभिषेक शर्मा के लिए नई चप्पलों की व्यवस्था की, जिसके बाद ही वह वहां से निकल पाए। यह घटना एक ऐसे समय में हुई है जब अभिषेक शर्मा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 (स्रोत के अनुसार) में बल्ले से धमाल मचा रहे हैं।

अभिषेक ने मौजूदा आईपीएल सीजन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक सात मैचों में कुल 323 रन बनाए हैं, जिसमें उनकी सबसे बड़ी और विस्फोटक पारी 135 रनों की रही थी, जो उन्होंने हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए पिछले ही मैच में बनाई थी। इस दमदार प्रदर्शन के साथ वह लीग में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। वृंदावन में हुई इस मामूली लेकिन असहज घटना ने निश्चित रूप से उन्हें कुछ देर के लिए परेशान किया होगा, लेकिन उम्मीद है कि इसका असर उनके शानदार खेल पर नहीं पड़ेगा। यह घटना दर्शाती है कि आम लोगों की तरह ही खिलाड़ी भी ऐसी परेशानियों का सामना करते हैं।

आईपीएल 2026: पंत और रहाणे के बीच करो या मरो की जंग

–प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए जीतना जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 का घमासान जारी है और इस बीच लखनऊ सुपर जायंट्स तथा कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाला मुकाबला सिर्फ एक मैच नहीं, बल्कि कप्तानों के धैर्य और नेतृत्व क्षमता की असली परीक्षा बन गया है। दोनों ही टीमों के कप्तान, ऋषभ पंत और अजिंक्य रहाणे, अपनी-अपनी टीमों के निराशाजनक प्रदर्शन के चलते भारी दबाव में हैं। यह भिड़ंत दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए करो या मरो का युद्ध साबित होगी, जहाँ एक हार उन्हें टूर्नामेंट से लगभग बाहर कर सकती है।

कोलकाता नाइट राइडर्स का इस सीज़न में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। आईपीएल 2025 के निराशाजनक प्रदर्शन के बावजूद टीम प्रबंधन ने अजिंक्य रहाणे पर अपना भरोसा बरकरार रखा था, लेकिन इस सीज़न में भी टीम अपेक्षित लय हासिल करने में नाकाम रही है। उन्हें अपनी पहली जीत दर्ज करने के लिए सात मैच खेलने पड़े, और वह भी टीम के सामूहिक प्रयास के बजाय रिंकू सिंह की शानदार पारी की बदौलत ही संभव हो पाई थी। टीम की तेज गेंदबाजी और स्पिन विभाग में साफ तौर पर कमजोरी दिखाई दे रही है, जिससे विरोधी बल्लेबाज आसानी से रन बटोर रहे हैं। वरुण चक्रवर्ती का फॉर्म टीम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है, और लगातार प्लेइंग इलेवन में बदलाव करने से टीम का संतुलन बिगड़ गया है। अजिंक्य रहाणे ने व्यक्तिगत रूप से कुछ मैचों में रन अवश्य बनाए हैं, लेकिन टी20 प्रारूप के हिसाब से उनकी स्ट्राइक रेट उम्मीद के मुताबिक नहीं रही है, जो टीम को तेज शुरुआत देने में बाधा डालती है। लगभग 38 वर्ष की आयु को देखते हुए, इस तेज-तर्रार फॉर्मेट में लंबे समय तक कप्तानी की जिम्मेदारियां निभाना उनके लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो रहा है, और उनके फैसलों पर भी अब सवाल उठने लगे हैं।

दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का हाल भी कुछ ठीक नहीं है। टीम ने अब तक खेले गए मैचों में सिर्फ दो जीत दर्ज की हैं और प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा उन पर लगातार मंडरा रहा है। लगातार चार हार ने टीम का मनोबल पूरी तरह से तोड़ दिया है और वे आत्मविश्वास की कमी से जूझते दिख रहे हैं। कप्तान ऋषभ पंत खुद भी खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं, जो टीम के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 67 रन की एक अच्छी पारी खेलने के बाद, पंत अगली पांच पारियों में सिर्फ 72 रन ही बना पाए हैं, जो उनकी क्षमता से बहुत कम है। हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ वे मात्र तीन गेंदों का सामना कर शून्य पर आउट हो गए थे, जिससे उनकी आलोचना में और भी इजाफा हुआ है। लखनऊ का अपने घरेलू मैदान पर रिकॉर्ड भी बेहद खराब रहा है; पिछले सीज़न में उन्होंने 8 में से 6 मैच गंवाए थे, और इस सीज़न में भी वे 3 मैच हार चुके हैं। कुल मिलाकर, 24 मैचों में उन्हें केवल 9 जीत मिली हैं, जो घरेलू लाभ न उठा पाने की कहानी कहती है। निकोलस पूरन और एडेन मार्करम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है, जिससे टीम की बल्लेबाजी और संतुलन दोनों प्रभावित हुए हैं।

हालांकि, कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए एक अच्छी खबर यह है कि श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की वापसी से उनकी गेंदबाजी मजबूत हुई है। उनकी सटीक यॉर्कर गेंदबाजी टीम के लिए एक बड़ा हथियार साबित हो सकती है, जो आखिरी ओवरों में रन रोकने में मददगार होगी। इन दोनों कप्तानों के रिकॉर्ड भी उनकी टीमों की मौजूदा स्थिति को बखूबी दर्शाते हैं- अजिंक्य रहाणे ने केकेआर के लिए 20 मैचों में 6 जीत और 12 हार देखी हैं, जबकि ऋषभ पंत ने एलएसजी के लिए 21 मैचों में 8 जीत और 13 हार का सामना किया है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि दोनों ही कप्तानों को न सिर्फ अपनी टीमों को जीत की राह पर लाना होगा, बल्कि अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन से भी मिसाल कायम करनी होगी, वरना उनके कप्तानी करियर पर तलवार लटक सकती है।

टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट से पहले पाकिस्तान दौरे पर जाएंगी जिम्बाब्वे

हरारे । 12 जुलाई से इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्वकप महिला क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारी के लिए जिम्बाब्वे की टीम पाकिस्तान दौरे पर जाएगी। यह पहली बार होगा जब जिम्बाब्वे की महिला टीम पाक का दौरा करेगी। इसे दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों में एक नया दौर शुरु होगा। इस दौरे से जहां दोनो टीमों को अभ्यास का अवसर मिलेगा। वहीं महिला क्रिकेट के वैश्विक विकास में भी इससे सहयोग मिलेगा। इस दौरे में जिम्बाब्वे तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय और इतने ही टीम 20 मुकाबले खेलेगी। सभी मैच पाकिस्तान के कराची स्थित प्रतिष्ठित नेशनल बैंक स्टेडियम में खेले जाएंगे। कार्यक्रम के अनुसार, जिम्बाब्वे की टीम 29 अप्रैल को कराची पहुंचेगी। इसके बाद, 3 मई से एकदिवसीय मैचों के साथ दौरे की आधिकारिक शुरुआत होगी। एकदिवसीय सीरीज के बाद, 12 मई से तीन मैचों की टी-20 सीरीज शुरु होगी। इससे दोनो ही टीमों को खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी क्षमताओं को आंकने का अवसर मिलेगा। पिछले कुछ समय से लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान पाक टीम के लिए भी यह सीरीज तैयारी के लिहाज से बेहद अहम रहेगा। जो 12 जून से शुरू होगी। घरेलू हालातों में एक अंतरराष्ट्रीय टीम के खिलाफ खेलना, टीम को अपनी रणनीति को परखने, विभिन्न खिलाड़ियों को आजमाने और विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट से पहले अपनी लय हासिल करने का बेहतरीन अवसर होता है।

आरसीबी ने लगाई अंक तालिका में छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंची

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 34वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने एक रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से मात देकर अंक तालिका में बड़ी छलांग लगाई है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में विराट कोहली की 81 और देवदत्त पडिक्कल की 55 रन की शानदार पारियां गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन के शतक पर भारी पड़ गईं। गुजरात टाइटंस द्वारा दिए गए 206 रनों के पहाड़ जैसे लक्ष्य को आरसीबी ने 18.5 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया। कोहली और पडिक्कल के बीच दूसरे विकेट के लिए हुई 115 रन की साझेदारी इस जीत का मुख्य कारण बनी। इस जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है, जिससे प्लेऑफ की दौड़ और भी रोमांचक हो गई है। रन चेज के उस्ताद विराट कोहली ने जैकब बेथेल के जल्दी आउट होने के बाद गुजरात के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा दीं। गुजरात के बल्लेबाजों ने पहली पारी में काफी संभलकर रन बनाए थे, लेकिन कोहली ने पिच की उछाल और गति को बखूबी समझा। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाजों का आसानी से सामना किया और मैदान के चारों ओर रन बटोरे। इस जीत के साथ आरसीबी ने राजस्थान रॉयल्स को नेट रन रेट के आधार पर पीछे छोड़ते हुए अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। मौजूदा चैंपियन टीम ने अब सात मैचों में पांच जीत दर्ज कर ली हैं और वे सीजन के महत्वपूर्ण दौर में मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं। अंक तालिका की ताजा स्थिति पर नजर डालें तो श्रेयस अय्यर की टीम पंजाब किंग्स 6 मैच खेलकर 5 जीत और एक बेनतीजा रहे मुकाबले के दम पर 11 अंकों के साथ टॉप पोजिशन पर काबिज है। गुजरात को हराने के बाद, नेट रन रेट में सुधार के चलते आरसीबी 7 मैचों में 5 जीत और 10 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर आ चुकी है। तीसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है, जिनके पास भी 7 मैच खेलने के बाद 5 जीत से 10 अंक हैं। इस मुकाबले में अपनी शानदार पारी के दम पर विराट कोहली ऑरेंज कैप की रेस में पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। इतने ही मुकाबले के बाद 4 जीत से 8 अंक लेकर सनराइजर्स हैदराबाद चौथे नंबर पर है, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम 3 जीत हासिल करने के बाद पांचवें स्थान पर है।

बांग्लादेश की नाहिदा और शर्मिन पर आईसीसी आचार संहिता उल्लंघन का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के खिलाफ बुधवार को राजशाही में खेले गए दूसरे एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के अलग-अलग स्तर 1 के उल्लंघनों के लिए बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर और शर्मिन सुल्ताना पर उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। दोनों खिलाड़ियों को एक-एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला है, जो पिछले 24 महीनों में उनका पहला ऐसा अपराध है। यह घटनाएँ खेल भावना और क्रिकेट के सम्मान को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करती हैं।

स्पिनर नाहिदा को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू को 17वें ओवर में आउट करने के बाद एक एनिमेटेड सेंड-ऑफ देने के लिए दंडित किया गया था। इस तरह का व्यवहार अक्सर विपक्षी खिलाड़ी के प्रति असम्मानजनक माना जाता है और खेल की गरिमा के विरुद्ध होता है। दूसरी ओर, बल्लेबाज शर्मिन को बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट दिए जाने के बाद अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए दंडित किया गया। उन्होंने मैदान से जाने में देरी की और फैसले से असहमति व्यक्त करते हुए अपने बल्ले की ओर इशारा किया, जो अंपायर के निर्णय पर सवाल उठाने के समान है।

मैच अधिकारियों ने इन उल्लंघनों को गंभीरता से लिया। आरोप ऑन-फील्ड अंपायरों एलोइस शेरिडन और रोकैया सुल्ताना, तीसरे अंपायर डॉली रानी सरकार और चौथे अंपायर शथिरा जाकिर जेसी द्वारा लगाए गए थे। एक औपचारिक सुनवाई से बचने के लिए, नाहिदा और शर्मिन दोनों ने अपने अपराधों को स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी सुप्रिया रानी दास द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को भी स्वीकार कर लिया। आईसीसी इस तरह के व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करता है, क्योंकि यह युवा खिलाड़ियों के लिए एक गलत उदाहरण स्थापित करता है और खेल की छवि को धूमिल करता है। यह घटनाएँ खिलाड़ियों को मैदान पर अपने आचरण के प्रति अधिक सचेत रहने की याद दिलाती हैं।

आरसीबी आक्रामक अंदाज में खेलती रहेगी : बोबाट

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के क्रिकेट निदेशक मो बोबाट ने कहा है कि उनकी टीम इस सत्र में आगे भी आक्रामक रणनीति से ही खेलती रहेगी। बोबाट ने कहा कि कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम जिस प्रकार से आगे बढ़ रही है उससे हम सभी उत्साहित हैं। कप्तान टीम की सभी योजनाओं को बेहतर तरीके से अमल में लाने में सफल हुए हैं। बोबाट ने कहा कि टीम के सभी खिलाड़ी निडर होकर खेल रहे हैं और इसी कारण टीम को आगे भी सफल होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि हम आक्रामक क्रिकेट ही खेलते रहो मैं चाहता हूं कि हम साहसी बनें। बोबाट ने विशेष रूप से उन अवसरों पर ध्यान देने को कहा है जब साहस की सबसे अधिक जरुरत होती है। उनके अनुसार, ऐसे मौकों पर साहसी बनें जब सच में हिम्मत की जरूरत हो। जब मैच दांव पर लगा हो या हालात थोड़े कठि हो जाएं, अगर हम हर दौर में आक्रामक और साहसी बने रहें तो मुझे लगता है कि हम वैसा ही खेलेंगे जैसा हम खेलना चाहते हैं। यह टीम को हर प्रकार के हालातों में चाहे वह दबाव भरे हो या चुनौतीपूर्ण, अपनी स्वाभाविक आक्रामक शैली से न हटने को प्रेरित करता है। बोबाट ने पाटीदार को इस आक्रामक सोच का एक प्रमुख उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि पाटीदार टीम की रणनीति पर बने रहे हैं और मैदान पर लगातार आक्रामक तरीके से फैसले लेते रहे हैं। उन्होंनें कहा, हम अपनी रणनीति में आक्रामक तरीकों को प्राथमिकता देते हैं पर मैदान पर रजत को अपने फैसले स्वयं लेते हैं और वह इसमें काफी कुशल हो गये हैं। । पाटीदार की सबसे बड़ी खासियत उनका शांत स्वभाव है जिससे उनपर दबाव नहीं पड़ता है।। जब हालात थोड़े मुश्किल हो जाते हैं तो वह शांत रहने और अपनी सोची हुई योजनाओं पर टिके रहते हैं। बोबाट ने कहा। उन्होंने आगे कहा कि बल्लेबाजी में पाटीदार का यह शांत और आक्रामक स्वभाव उन्हें आगे बढ़कर टीम की अगुवाई करने में बहुत अच्छा बनाता है।

विराट कोहली ने अभिषेक शर्मा से छीनी ऑरेंज कैप, आईपीएल 2026 में बने नंबर वन बल्लेबाज

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का रोमांच अपने चरम पर है, और हर गुजरते मैच के साथ ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस और भी दिलचस्प होती जा रही है। टूर्नामेंट के 34वें मुकाबले में जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) की टीमें आमने-सामने उतरीं, तो किसी ने नहीं सोचा था कि एक ही मैच के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में इतना बड़ा फेरबदल देखने को मिलेगा। इस मैच में विराट कोहली के बल्ले से निकली आतिशी पारी ने न केवल बेंगलुरु को एक महत्वपूर्ण जीत दिलाई, बल्कि किंग कोहली को एक बार फिर रनों के शिखर पर लाकर खड़ा कर दिया है, जिससे उन्होंने ऑरेंज कैप पर कब्जा कर लिया है। इस मैच के बाद आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप लिस्ट पूरी तरह बदल गई है। मैच से पहले जो विराट कोहली टॉप-5 से बाहर थे, अब वह सीधे पहले पायदान पर पहुंच गए हैं। विराट ने इस सीजन में अब तक 7 मैचों में 328 रन बना लिए हैं और वह फिलहाल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। विराट के ठीक पीछे सनराइजर्स हैदराबाद के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का नाम है। अभिषेक ने भी इस सीजन में अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया है और वह 7 मैचों में 323 रनों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। उनके ही साथी और हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 7 मैचों में 320 रन बनाकर तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। हैदराबाद के इन दो बल्लेबाजों और विराट कोहली के बीच रनों का अंतर बहुत कम है, जिससे आने वाले मैचों में यह जंग और भी रोचक होने वाली है। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल 6 मैचों में 297 रनों के साथ चौथे नंबर पर आ गए हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के संजू सैमसन 7 मैचों में 293 रनों के साथ पांचवें पायदान पर खिसक गए हैं।

श्रीलंका को 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खिताबी दावेदार बनाना है लक्ष्य : कर्स्टन

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने अपना पद संभाल लिया है और श्रीलंकाई टीम को 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए तैयार करने की योजना भी बना ली है। कर्स्टन का कहना है कि वह एकदिवसीय विश्व कप के लिए एक ऐसी मजबूत टीम तैयार करना है, जो खिताब की दौड़ में एक प्रमुख दावेदार के तौर पर सामने आये। कर्स्टन ने टीम को बेहतर बनाने की अपनी रणनीति की जानकारी देते हुए कहा, हम सभी प्रारुप में टीम से बेहतर प्रदर्शन चाहते हैं क्योंकि आने वाले समय में विश्वकप के अलावा कई और मुकाबले भी हैं। । 2027 का एकदिवसीय विश्व कप अगले साल अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। श्रीलंका के लिए इसमें बेहतर प्रदर्शन करना आसान नहीं होगा। साल 2011 के बाद से टीम एक बार भी एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंच पाई है। वहीं कर्स्टन ने साफ कर दिया है कि उनकी प्राथमिकता सभी प्रारूपों के लिए एक सबसे संतुलित और सक्षम टीम तैयार करना है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस समय मेरी प्राथमिकता यही है, और मैंने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। हमारा ध्यान अलग-अलग प्रारूपों में विभिन्न भूमिकाओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने पर केंद्रित है, जिससे टीम हर स्थिति में मजबूत दिख सके। इससे साफ है कि उका यह दिखाता है कि वह केवल एक-दिवसीय क्रिकेट पर नहीं, बल्कि सभी प्रारुपों के लिए बेहतर टीम तैयार करने पर जोर दे रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि श्रीलंका ने हाल ही में टी20 विश्व कप के कुछ मैचों में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया है, जिससे यह पता चलता है कि खिलाड़ियों में काफी क्षमताएं मौजूद है। हमें बस इस क्षमता को निरंतरता में बदलने की जरूरत है, कर्स्टन ने जोर दिया। उनका मानना है कि सही मार्गदर्शन और दृढ़ता के साथ, श्रीलंकाई टीम निश्चित रूप से 2027 विश्व कप में अपना प्रभाव दिखा सकती है ।

राष्ट्रीय टीम से बाहर किए जाने पर खुशदिल शाह का फूटा गुस्सा, बोले- 700-800 रन बनाकर भी ड्रॉप किया

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज खुशदिल शाह राष्ट्रीय टीम में चयन न होने से गहरे हताश हैं। वर्तमान में पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे खुशदिल ने हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और टीम प्रबंधन पर सवाल उठाते हुए अपनी निराशा व्यक्त की। यह नाराजगी पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा के साथ एक बातचीत के दौरान सामने आई, जहां खुशदिल ने टीम से बाहर रखे जाने पर अपना पक्ष रखा। खुशदिल ने गुरुवार को लाहौर कलंदर्स के खिलाफ गद्दाफी स्टेडियम में कराची किंग्स को पांच विकेट से शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, जहां उन्होंने मात्र 14 गेंदों में 44 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। इस मैच जिताऊ प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के बाद खुशदिल शाह ने रमीज राजा से स्पष्ट शब्दों में कहा, मैं अन्य खिलाड़ियों से अलग हूँ। मैं न तो सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता हूँ और न ही पुरानी बातों का रोना रोता हूँ कि मेरे साथ क्या गलत हुआ। मैंने हाल ही में पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 700-800 रन बनाए हैं, जिसमें एक दोहरा शतक और कई बड़ी पारियां शामिल हैं। इतने सब के बावजूद, मुझे टीम से ड्रॉप कर दिया गया। खुशदिल ने आखिरी बार सितंबर 2025 में यूएई के खिलाफ पाकिस्तान के लिए खेला था। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए अब तक 15 वनडे और 38 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं।

लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले में, लाहौर कलंदर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 199 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। उनके सलामी बल्लेबाज फखर जमां ने 41 गेंदों में 61 रन और अब्दुल्ला शफीक ने 36 गेंदों में 62 रन की शानदार पारियां खेलीं। मोहम्मद और सिकंदर रजा ने 18-18 रन का योगदान दिया, जबकि डेनियल सैम्स ने 20 और कप्तान शाहीन अफरीदी ने 10 रन बनाए। कराची किंग्स के लिए मोईन अली ने दो विकेट लिए, जबकि हसन अली और रिजवानुल्लाह को 1-1 विकेट मिला।

200 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी कराची किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जब डेविड वॉर्नर और जेसन रॉय सस्ते में आउट हो गए। रॉय 5 गेंद में 9 और रीजा हैंड्रिक्स 9 गेंद में 10 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सलमान आगा ने 15 गेंद में 14 रन बनाए। हालांकि, मोईन अली ने 17 गेंद में 39 रन की दमदार पारी खेली और आजम खान ने 8 गेंद में 14 रन का योगदान दिया। कप्तान डेविड वॉर्नर ने एक छोर संभाले रखा और 44 गेंदों में 9 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 63 रन बनाए। लेकिन यह खुशदिल शाह की विस्फोटक पारी थी, जिसने कराची किंग्स को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। लाहौर के लिए उबैद शाह ने तीन विकेट चटकाए, पर वे टीम को जीत नहीं दिला पाए। खुशदिल की यह पारी ऐसे समय में आई है जब वह राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह को लेकर जूझ रहे हैं, और उनके इस प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं पर निश्चित रूप से दबाव बढ़ा दिया है।